जुलाई 2025

₹ 20

समाजवादी बुलेटिन

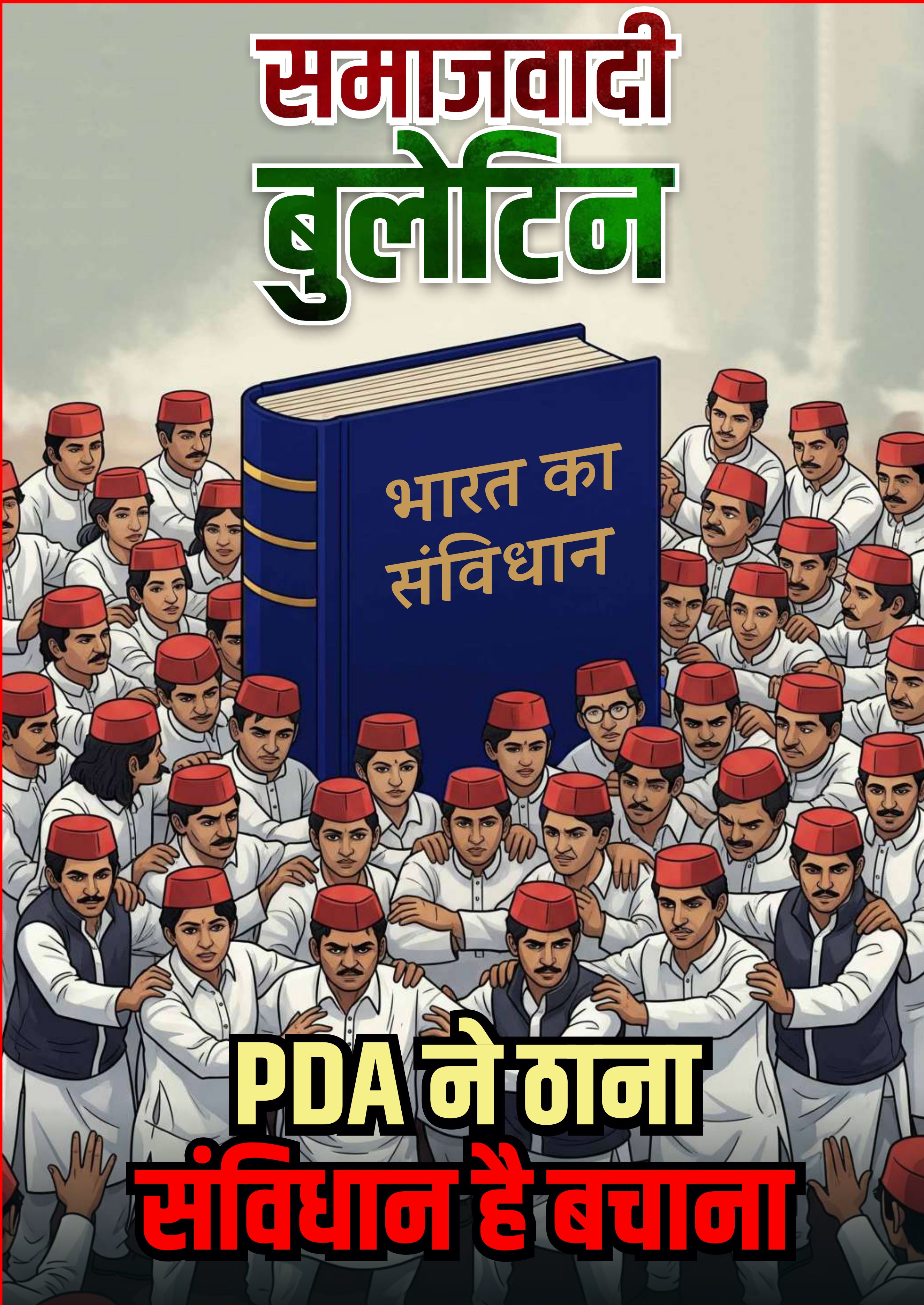

PDA ने ठाना संविधान है बचाना

R.N.I. No. 68832/97

सामाजिक न्याय का अर्थ है कि किसी भी व्यक्ति को जाति, धर्म, लिंग या सामाजिक स्थिति के आधार पर भेदभाव का सामना न करना पड़े। सदियों से शोषित और वंचित लोगों को सशक्त बनाना सामाजिक न्याय का लक्ष्य है और समाजवादी इसी दिशा में काम कर रहे हैं। समाजवादी पार्टी सामाजिक न्याय की लड़ाई को निरंतर जारी रखेगी।

मुलायम सिंह यादव
संस्थापक, समाजवादी पार्टी

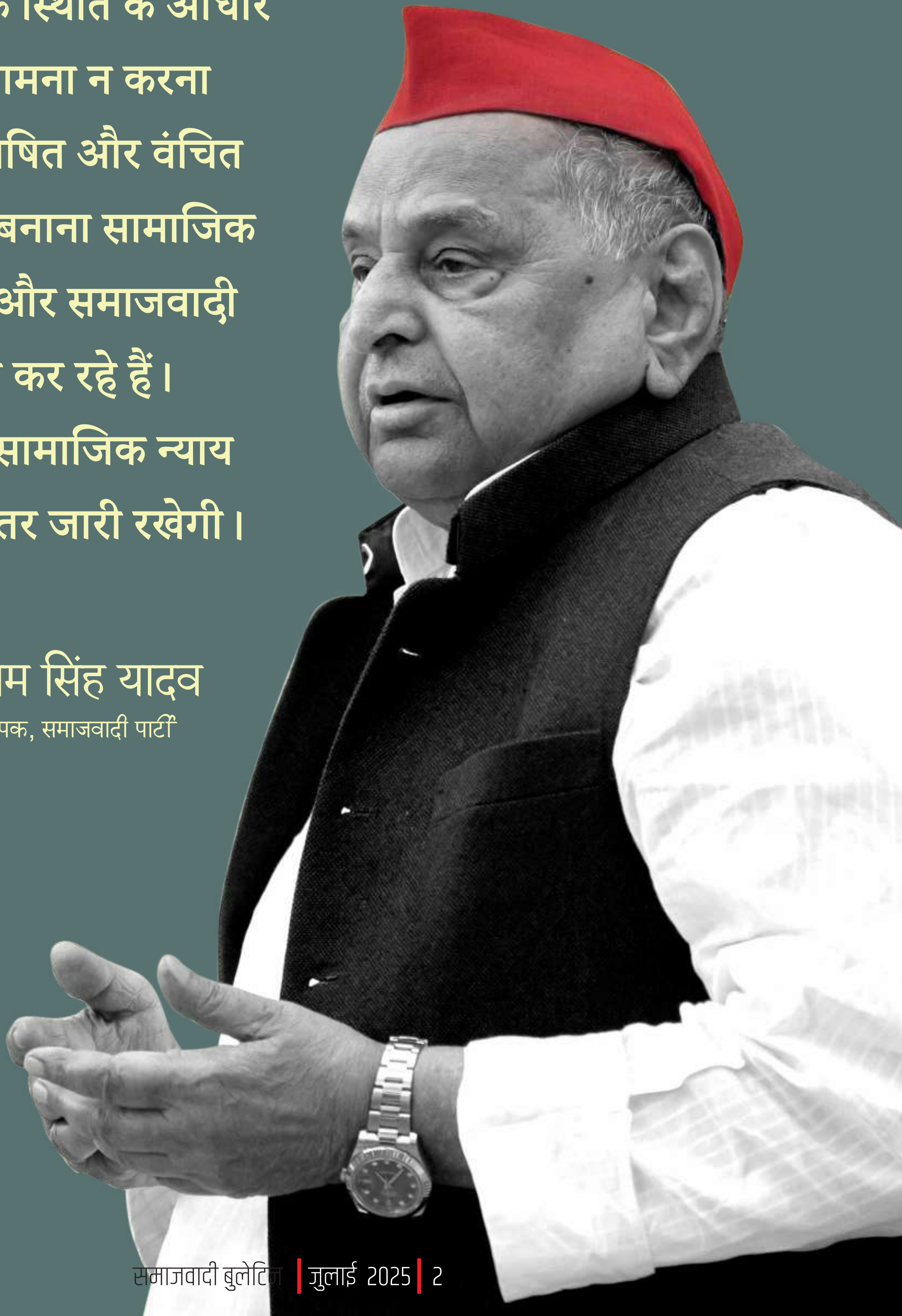

समाजवादी बुलेटिन
जुलाई 2025
वर्ष 26 | संख्या 09

PDA काव्य विचार

छोटा-बड़ा न कोई दीन दुखी होगा
नेताजी के सपनों की सरकार बनेगी,
मत रुकना, थकना न अभी बस
लड़ते जाना होगा
हम लड़कर सत्ता बदलेंगे, PDA
सरकार बनेगी

-वाई. वेद प्रकाश
डलमऊ, रायबरेली

प्रिय पाठकों,

PDA काव्य विचार के लिए आपकी स्वरचित लघु कविता का स्वागत है। केवल उन्हीं लघु कविताओं पर विचार किया जाएगा जो PDA केन्द्रित, सुस्पष्ट, मौलिक, न्यूनतम 4 से 6 लाइनों में टाइपशुदा होंगी। अपनी लघु कविता ईमेल teamsbeditorial@gmail.com पर अपने नाम और पते के साथ भेजें।

प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक
प्रोफेसर रामगोपाल यादव
☎ 0522 - 2235454
samajwadibulletin19@gmail.com
bulletinsamajwadi@gmail.com
Mob:- 9598909095
/samajwadiparty

समाजवादी पार्टी के लिए
19, विक्रमादित्य मार्ग, लखनऊ से प्रकाशित
अवध पब्लिशिंग हाउस, 8 पान दरीबा, लखनऊ से मुद्रित
R.N.I. No. 68832/97

अंदर

अखिलेश के जन्मदिन पर सत्ता परिवर्तन का संकल्प 34

06 कवर स्टोरी
PDA ने ठाना संविधान है बचाना

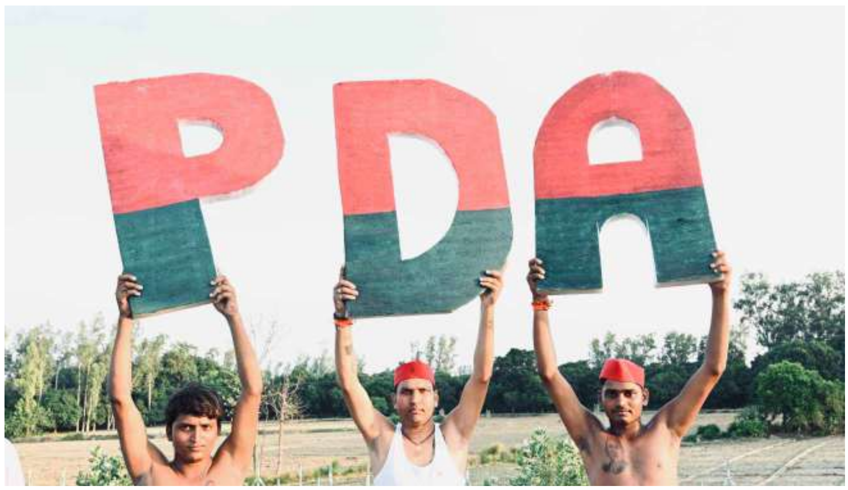

2027 में आरपार, समाजवादी हैं तैयार 24

उत्तर प्रदेश में वर्ष 2027 में होने वाले विधानसभा चुनाव में समाजवादी पार्टी की सरकार बनाने के लिए समाज के हर तबके ने जिस तरह संकल्प लिया है, यह बदलाव की बड़ी आहट है जिसमें दृढ़ता है, विकास का स्पष्ट विजन है और यूपी की तरक्की के लिए कुछ कर गुज़रने का जज़्बा है।

संवाद से अखिलेश साध रहे 2027 का लक्ष्य 42
व्यापारियों के उत्पीड़न की नींव पर बन रहा विरासत गलियारा 40

नेताजी का स्मारक बनाने के लिए बच्चों ने गुल्लक तोड़ कर किया सहयोग

बुलेटिन ब्यूरो

नेताजी श्री मुलायम सिंह यादव का स्मारक बनाने के लिए जनता से सहयोग की समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री श्री अखिलेश यादव की अपील पर पार्टी कार्यकर्ताओं और नेताओं के अलावा बच्चे भी अपनी सहभागिता के लिए आगे आने लगे हैं। उनके मन में नेताजी के प्रति कितना लगाव है इसी से अंदाजा लगाया जा सकता है।

8 जुलाई को समाजवादी पार्टी के राज्य मुख्यालय लखनऊ में गोरखपुर से आयी कक्षा तीन की 8 वर्षीय बालिका रश्मिका यादव तथा कक्षा 6 के 11 वर्षीय बालक राजेश यादव 'विक्की' ने अपने गुल्लकों की समस्त धनराशि समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री श्री अखिलेश यादव को भेंट की।

इन बच्चों के साथ उनकी मां शौर्य यादव ने भी श्री अखिलेश यादव से भेंट की। श्री अखिलेश यादव ने इन बच्चों की भावनाओं की भूरि-भूरि सराहना करते हुए इनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

सपा नेता ने दिखाई सौहार्द की मिसाल

बुलेटिन ब्यूरो

भाजपा की सरकारों में जब सत्तारूढ़ पार्टी ही पर्व, त्योहार एवं धार्मिक यात्राओं के दौरान समाज में विभाजन करवाने पर जुटी रहती हो तब कई साल पहले गोण्डा के सपा नेता मसूद आलम खान द्वारा हिन्दू श्रद्धालुओं के लिए अपने निजी व्यय/संसाधन से 37 किमी सड़क की मरम्मत कराकर भाईचारा व सद्भाव की मिसाल पेश करने को फिर एकबार याद करना प्रासंगिक हो जाता है।

जनपद गोण्डा में कजरी तीज के पर्व पर लाखों लोग मुख्य रूप से खरगूपुर बाजार के निकट स्थित बाबा पृथ्वीनाथ मंदिर में जलाभिषेक करते हैं। बाबा पृथ्वीनाथ मंदिर की पौराणिक कथाओं में इसका वर्णन है। 5000 वर्ष पूर्व भीम ने इस शिवलिंग की स्थापना की थी। बाबा पृथ्वीनाथ मंदिर का शिवलिंग एशिया का सबसे बड़ा शिवलिंग माना जाता है। हर वर्ष कजरी तीज के दिन 10-12 लाख कांवड़िए / श्रद्धालु जलाभिषेक करते हैं।

वर्ष 2011 में कजरी तीज के पर्व पर करनैलगंज से पृथ्वीनाथ मंदिर की सड़क जिसकी लंबाई 37 किमी है, बिल्कुल जर्जर व टूट चुकी थी। 10 दिन के बाद लगभग 10 लाख कांवड़ियों को जलाभिषेक के लिए इसी रास्ते से पृथ्वीनाथ मंदिर जाना था। जलाभिषेक करने जाने वाले कांवड़िये / श्रद्धालु नंगे पैर जाते हैं।

स्थानीय लोगों ने इस समस्या से समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय सचिव व समाजसेवी मसूद आलम खां को अवगत कराया तो मसूद आलम खां ने कहा कि कजरी तीज का पर्व जनपद गोण्डा व देवीपाटन मण्डल के हिन्दू भाइयों का सबसे बड़ा पर्व है। हम अपने कांवड़ियों भाइयों के पैरों में जख्म नहीं होने देंगे और इस सड़क की मरम्मत हम अपने निजी संसाधन / पैसों से कराएंगे।

मसूद आलम खां ने सैकड़ों ट्रैक्टर ट्राली जेसीबी रोलर लगाकर एक सप्ताह के अन्दर करनैलगंज से बाबा पृथ्वीनाथ मंदिर तक 37 किमी सड़क की मरम्मत अपने निजी व्यय व संसाधन से कराकर कांवड़ियों / श्रद्धालुओं को समर्पित कर हिन्दू-मुस्लिम भाईचार की एक अनोखी मिसाल पेश की थीजिसकी चर्चा आज भी जनपद में होती है।

PDA ने ठाना संविधान है बचाना

बुलेटिन ब्यूरो

भाजपा के मातृ संगठन आरएसएस ने एक बार फिर संविधान बदलने का राग अलापा है। संविधान से समाजवाद और पंथनिरपेक्ष शब्द हटाने की आरएसएस की वकालत और इसे भाजपा नेताओं की ओर से मिल रही शह फिर बता रही है कि ये लोग संविधान में बदलाव की अपनी पुरानी मंशा को पूरा करने की भरसक कोशिश में जुटे हैं। संघ परिवार की इस मुहिम के खिलाफ समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव ने जोरदार मुखालफत की है। 2024 के लोकसभा चुनावों के दौरान जब भाजपा के नेताओं ने कहना शुरू किया था कि अगर भाजपा बहुमत में आती है तो संविधान बदला जाएगा तब भी श्री

अखिलेश यादव के सामने आ जाने और जनता के पुरजोर विरोध के बाद भाजपा की दाल नहीं गल पाई थी। जनता ने श्री अखिलेश यादव का साथ देकर यूपी से भाजपा का सफाया कर दिया था।

जनता खासतौर पर PDA के समर्थन से श्री अखिलेश यादव संविधान बदलने की मंशा रखने वालों को करारा जवाब दे रहे हैं। दरअसल भाजपा संविधान में संशोधन के जरिये सिर्फ समाजवाद या पंथ निरपेक्ष शब्द ही नहीं हटाना चाहती है बल्कि उसकी साजिशें पीडीए को आरक्षण से वंचित करने की है। तमाम संस्थाओं का निजीकरण भी शोषित, पिछड़ों को आरक्षण से महरूम करने की दिशा में उठाया गया कदम है।

दरअसल धर्मनिरपेक्षता और समाजवाद का विरोध करने वाले संविधान, सामाजिक न्याय, आरक्षण के विरोधी हैं। विडंबना है कि भाजपा सत्ता में पहुंचने के लिए तो संविधान की बात करती है, संविधान को मानने और उस पर चलने की चर्चा करती है लेकिन जब सत्ता में आ जाती है तब संविधान को बदलने की कोशिशों में जुट जाती है। संविधान विरोधी कार्य करती है। भाजपा के लोग संविधान की शपथ तो लेते हैं लेकिन उनके काम करने के तरीके में शपथ की निष्ठा का पूर्ण अभाव होता है।

समाज के निर्माण के लिए अपनी वैयक्तिता का विलय करना पड़ता है। जो लोग अपने स्वार्थ सिद्धि में लिप्त रहते हैं और हर समय अपने बारे में सोचते हैं, वे केवल अपने दंभ और अहंकार में रहते हैं। उन्हें समाज से कुछ लेना देना नहीं रहता है। ये खुदगर्ज लोग समाज और समाज से जुड़े हर विचार और शब्द के खिलाफ रहते हैं, फिर वह शब्द चाहे सामाजिकता का हो या समाजवादी हो इसीलिए चाहे सदन में हो या सदन के बाहर, उनके इसी तरह के विचार सुनने को मिलते हैं।ऐसे लोग मूल रूप से सांप्रदायिक होते हैं। पंथनिरपेक्ष और सेकुलरिज्म के धुर विरोधी होते हैं।

असल में पंथ निरपेक्षता और सेकुलरिज्म लोगों को करीब लाती है। सहनशील बनाती है, जियो और जीने दो का सिद्धान्त सिखाती है। सबके बीच मेलजोल और सौहार्द बनाती है। देश की गंगा-जमुुनी तहजीब को मजबूत करती है। इसे साम्प्रदायिक राजनीति करने वाले स्वीकार नहीं कर सकते हैं क्योंकि उनका आधार ही सांप्रदायिक है।

सांप्रदायिक लोग पीडीए विरोधी हैं। पीडीए की एकता, एकजुटता व्यक्तिवादी लोगों के लिए चुनौती बन गई है। पीडीए की यही ताकत व्यक्तिवादी लोगों की सदियों से चली आ रही सत्ता को हिला रही है। ऐसे नकारात्मक सोच के लोग, प्रभुत्ववादी सोच के होते हैं। ये दूसरों का उत्पीड़न करते हैं।

वहीं पीडीए पाॅजिटिव और विकास की राजनीति करता है। संविधान बदलने या उसमें संशोधन की बातें करने वालों से सत्ता संभल नहीं पा रही है। ये लोग बेरोजगारों को रोजगार देने, महंगाई कम करने और अपराध पर अंकुश लगाने में नाकाम साबित हुए हैं इसलिए समाजवाद व पंथनिरपेक्ष शब्द को संविधान से हटाने का शिगूफा छोड़कर असली मुद्दों से ध्यान हटाने की कोशिश कर रहे।

ये लोग झूठ की बुनियाद पर सत्ता चलाना चाहते हैं। इनका झूठ महाकुंभ में भी पकड़ में आया। मरने वालों की संख्या पर झूठ बोला और शंकराचार्यो तक से झूठ बोलकर अपनी पीठ थपथपाने में जुटे रहे। जाहिर है, जो लोग गंगा में स्नान करने के बाद झूठ बोल सकते हैं, कुम्भ में मरने वालो की संख्या पर झूठ बोल सकते है वे कुछ भी कर सकते हैं।

जनता समझ चुकी है कि भाजपा धर्म को धर्म से और जाति को जाति से लड़ाने का काम कर रही है। भाजपा के लोग पूरे प्रदेश में सामाजिक सद्भाव खराब कर रहे हैं जबकि समाजवादी लोग जनता के बीच पहुंचकर दूरियां कम करने का काम कर रहे हैं। लोकसभा चुनाव 2024 में PDA ने अपनी एकता के बल पर वर्चस्ववादी लोगों को पटखनी दी थी और अब यही PDA 2027 में उन्हें हराने के लिए तैयार है।

आमजन खासकर PDA को यह मालूम हो गया है कि अगर इन लोगों को सत्ता से नहीं हटाया गया तो ये मौका मिलते ही संविधान में बदलाव कर संविधान प्रदत्त उनकी आरक्षण की सुविधा को कभी भी छीन सकते हैं। यही वजह है कि PDA ने एक बार फिर कमर कस ली है कि संविधान को बदलने का मंसूबा रखने वालों को धूल चटाएंगे और 2027 में यूपी की सत्ता से बेदखल कर समाजवादी सरकार बनाएंगे। ताकि संविधान को बचाते हुए उसके मूल तत्व समाजवादी व पंथनिरपेक्ष राजनीति को और मजबूती दी जा सके।

संविधान विरोधी भाजपा को सबक सिखाएगा PDA

बुलेटिन ब्यूरो

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री श्री अखिलेश यादव ने 3 जुलाई को आजमगढ़ में पार्टी कार्यालय के नए भवन का उद्घाटन किया और कार्यालय परिसर में सम्मेलन और बैठक हाल का शिलान्यास किया।

इस अवसर पर भीड़ भरी जनसभा को सम्बोधित करते हुए श्री अखिलेश यादव ने कहा कि आजमगढ़ से पार्टी का भावनात्मक लगाव है। आजमगढ़ की जनता ने पार्टी के हर फैसले का सम्मान किया और साथ दिया। राजनीतिक परिस्थितियां कुछ भी रही हो आजमगढ़ ने हमेशा पार्टी को मजबूती दी। नेताजी को लोकसभा पहुंचाया, धर्मेन्द्र यादव जीते।

उन्होंने कहा कि आजमगढ़ से समाजवादियों का पुराना और गहरा रिश्ता है यह विचारधारा का सम्बंध है। यहां पास से जो एक्सप्रेस-वे जा रहा है। यह एक्सप्रेस-वे लखनऊ से एक तरफ आजमगढ़ तो दूसरी तरफ सैफई को जोड़ता है। आगरा-लखनऊ

एक्सप्रेस-वे और पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे समाजवादी सरकार की देन है।

श्री अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा संविधान, आरक्षण, धर्मनिरपेक्षता और समाजवाद की विरोधी है। भाजपा वोट के डर से आरक्षण और संविधान के खिलाफ सीधे न बोलकर समाजवाद और धर्मनिरपेक्षता के खिलाफ बोलती है। उन्होंने कहा कि संविधान विरोधी भाजपा को करारी हार का सामना करना पड़ेगा। विधानसभा चुनाव में गाजियाबाद से गाजीपुर तक और सहारनपुर से सोनभद्र तक हर जगह पीडीए दिखाई देगा। 2027 के विधानसभा चुनाव में पीडीए नया रिकॉर्ड बनाएगा।

श्री यादव ने कहा कि जातीय जनगणना को लेकर जनता जागरूक हो गयी है। जनता जानती है कि जातीय जनगणना होने से उसे हक और अधिकार मिलेगा। इसी से ध्यान भटकाने के लिए भाजपा और उसकी विचारधारा के लोग सेकुलरिज्म, समाजवाद और संविधान पर हमले कर रहे हैं।

श्री अखिलेश यादव ने कहा कि समाजवादी पार्टी ने संकल्प लिया है कि जो सपना बाबा साहब डॉ. भीमराव अम्बेडकर, डॉ. राममनोहर लोहिया, श्रद्धेय नेताजी ने देखा और जिस रास्ते पर चले, उस रास्ते पर चलकर हम लोग सामाजिक न्याय के राज की स्थापना करेंगे और अपने पीडीए परिवार के लोगों को हक और सम्मान दिलाएंगे।

श्री यादव ने कहा कि पीडीए वही है जिसे हम सब बहुजन समाज कहते थे। पीडीए पीड़ित, दुःखी अपमानित लोगों को एक साथ लाने का नारा है। उन्होंने कहा कि आजमगढ़ में नये पार्टी कार्यालय के नाम को लेकर बहुत सुझाव आये हैं। आज हम इस भवन का नाम पीडीए भवन रखते हैं।

यह भवन पीडीए भवन के नाम से जाना जाएगा, क्योंकि पीडीए एकता हमारी ताकत है। पीडीए एकता सरकार बनाएंगी और सामाजिक न्याय का रास्ता खोलेगी। भाजपा के लोग पीडीए की एकता से घबराये हुए है। उनका व्यवहार भाषा और बोली बदल गयी है। भाजपा से सावधान रहना है। ये षडयंत्रकारी है। पीडीए को अपमानित करते हैं। विकसित भारत का सपना दिखाने वालों के लोग गरीबों के साथ किस तरह का व्यवहार करके अपमानित कर रहे है, इटावा में सभी ने देखा है कि कथावाचकों को अपमानित किया गया। भाजपा के लोग संविधान के रास्ते पर नहीं चलते हैं।

श्री अखिलेश यादव ने कहा कि लोकसभा चुनाव में इंडिया गठबंधन की ताकत और पीडीए की रणनीति ने दोनों दलों को उत्तर प्रदेश में नम्बर एक पर पहुंचा दिया। उत्तर प्रदेश में इंडिया गठबंधन बहुत मजबूत स्थिति में है।

लोकसभा चुनाव में पीडीए की ताकत से आजमगढ़ के आसपास की सभी सीटे समाजवादी पार्टी जीत गयी। उत्तर प्रदेश का इतिहास है जो लोकसभा चुनाव जीतता है वहीं विधानसभा चुनाव जीतता है। जो लोकसभा में रिकार्ड बनाता है वही विधानसभा में भी रिकार्ड बनाता है।

सपा मुखिया ने कहा कि जो टेक्नॉलोजी

समझते हैं वे जानते हैं कि समाजवादी पार्टी अगर एक-एक विधानसभा क्षेत्र में अपने पक्ष में दस-दस हजार वोट बढ़ा लेगी तो रिकार्ड तोड़ सीटें जीतेगी। सामाजिक न्याय की लड़ाई में उत्तर प्रदेश में समाजवादी पार्टी रिकार्ड बनाने जा रही है। भाजपा के सब इंजन टकरा रहे हैं। मुख्यमंत्री जी आउटगोइंग सीएम है। भाजपा के विधायक लड़ाई, झगड़े पर आ गये है। ये सीसीटीवी में पकड़े जा रहे है।

श्री यादव ने कार्यकर्ताओं से कहा सब लोग वोटर लिस्ट ठीक कराइये। सावधान रहिए, भाजपा वोटर लिस्ट में बेईमानी करती है। अब बिहार का चुनाव करीब आ गया है। बिहार में वोटर बढ़ाने और कटवाने के लिए इन लोगों ने एक लाख वालंटियर तैयार किये हैं।

श्री अखिलेश यादव ने कहा समाजवादी पार्टी ने सड़कें बनाकर विकास का रास्ता खोला, मेडिकल कॉलेज बनाया। स्वास्थ्य सुविधाएं दी। भाजपा ने सब बर्बाद कर दिया। भाजपा नौकरी और आरक्षण छीन रही है। समाजवादी सरकार बनते ही हम आउटसोर्स व्यवस्था की जगह पक्की नौकरी देंगे। समाजवादी पार्टी सेना में अग्निवीर योजना नहीं चाहती है। हम नौजवानों को सेना में पक्की नौकरी देना चाहते है।

उन्होंने कहा कि भाजपा ने दस साल का समय बर्बाद किया है। प्रदेश को पीछे कर दिया। कानून व्यवस्था को खराब कर दिया। महिलाएं और बेटियां असुरक्षित हैं। हर दिन हत्याएं हो रही है। कोई सुरक्षित नहीं है। भाजपा झूठे आंकड़े देकर गुमराह करती है। प्रदेश में इतना भ्रष्टाचार कभी नहीं हुआ। जितना इस सरकार में हो रहा है। तहसील, थानों में भारी भ्रष्टाचार है। यह सरकार स्कूल बंद कर रही है, और शराब की दुकानें खोल रही है। स्कूल बंद कर गरीब बेटियों को शिक्षा से दूर कर रही है। गरीब परिवार के

बच्चे कहा पढ़ने जाएंगे। भाजपा उन स्कूलों को बंद कर रही है जहां चुनाव के समय बूथों पर भाजपा हारी थी। यह भाजपा की साजिश है।

इस अवसर पर नेता विरोधी दल विधान सभा श्री माता प्रसाद पाण्डेय, नेता विरोधी दल विधान परिषद श्री लाल बिहारी यादव, पूर्व मंत्री श्री बलराम यादव, सांसद श्री धर्मेन्द्र यादव, सांसद श्री लालजी वर्मा, सांसद श्री राजीव राय, सांसद श्री रामभुआल निषाद, सांसद श्री दरोगा प्रसाद सरोज, पूर्व मंत्री एवं विधायक श्री दुर्गा प्रसाद यादव, पूर्व मंत्री एवं विधायक श्री राम अचल राजभर, विधायक श्री आलमबदी, विधायक श्री संग्राम यादव, एमएलसी श्री शाह आलम उर्फ गुड्डू जमाली, जिलाध्यक्ष श्री हवलदार ने कार्यक्रम को सम्बोधित किया और राष्ट्रीय अध्यक्ष जी का स्वागत किया। इस अवसर पर श्री नसीम अहमद, श्री कमलाकांत राजभर, श्री एचएनएस पटेल, श्री अखिलेश यादव, श्रीमती पूजा सरोज, श्री बेचई सरोज सभी विधायकगण, पूर्व मंत्री श्री अम्बिका चौधरी, पूर्व सांसद नंद किशोर यादव, पूर्व मंत्री श्रीमती विद्या चौधरी, पूर्व मंत्री श्री शैलेन्द्र यादव ललई, श्री जितेन्द्र यादव, श्री करुणा कांत मौर्य, श्री रामदुलार राजभर, विनीत राय समेत अन्य नेता और कार्यकर्ता मौजूद रहे। सभी ने राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव का स्वागत किया। इस अवसर पर समाजसेवी श्री लल्लन चौहान इंजीनियर सुनील यादव ने श्री अखिलेश यादव के समक्ष समाजवादी पार्टी की सदस्यता ग्रहण की। कार्यक्रम का संचालन पूर्व मंत्री श्री रामआसरे विश्वकर्मा ने किया।

संविधान की आत्मा है समाजवाद और धर्मनिरपेक्षता

अरुण कुमार त्रिपाठी
वरिष्ठ पत्रकार

भारत में औपनिवेशिक मानसिकता और दोहरे चरित्र वाला वास्तव में अगर कोई संगठन है तो वह राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ ही है। एक ओर वह विभाजनकारी औपनिवेशिक नीतियों पर काम करता है तो दूसरी ओर उनका प्रतिरोध करने वाले नागरिकों के प्रति नफरत फैलाने के साथ सरकारी उपकरणों के माध्यम से उनका दमन करता है।

दूसरी ओर वह अपने दस्तावेजों और सार्वजनिक मंचों पर ऐसी भाषा और सौम्य आचरण का प्रदर्शन करता है जैसे कि संविधान और कानून के राज का उससे अधिक निष्ठावान कोई संगठन ही नहीं है। शब्दों से खेलना और उनमें दूषित अर्थ भरने में उसे महारत हासिल है।

वह काम कभी स्वतंत्रता संग्राम के महापुरुषों का नाम लेकर किया जाता है तो कभी सनातन का नाम लेकर। लोकतांत्रिक विमर्श और जनमत को भ्रमित करने की ऐसी मशीन शायद ही दुनिया में कहीं बनी हो। लेकिन यह भारतीय लोकतंत्र का दुर्भाग्य है कि उसमें ऐसा संगठन मौजूद है।

2024 के लोकसभा चुनाव में संविधान के सवाल पर बहुमत से दूर रहने से सहमी भाजपा ने जब महाराष्ट्र और हरियाणा का चुनाव तीन तिकड़म से जीत लिया तो फिर कछुए ने अपनी खोल से सिर हिलाना शुरू कर दिया।

हाल में राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के महासचिव दत्तात्रेय होसबोले ने आपातकाल के पचास साल होने पर एक नई बहस छेड़ दी है और उसे एनडीए सरकार के मंत्री और संवैधानिक पदों पर बैठे लोग भी उठा रहे हैं। दत्तात्रेय होसबोले ने कर्नाटक के एक कार्यक्रम में कहा कि 'बाबा साहेब ने जो संविधान बनाया था उसकी प्रस्तावना में सोशलिस्ट और सेक्यूलर शब्द नहीं थे। आपातकाल के दौरान जब मौलिक अधिकार निलंबित कर दिए गए और संसद तक काम नहीं कर रही थी तभी ये शब्द जोड़े गए। इसलिए उन्हें प्रस्तावना में रहना चाहिए या नहीं इस पर विचार किया जाना चाहिए।'

अगर दत्तात्रेय होसबोले ने बाबा साहेब की आड़ लेकर समाजवाद और धर्मनिरपेक्षता के विचारों पर हमला किया तो भारत के उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने कहा कि यह शब्द सनातन धर्म को अपवित्र करने वाले हैं। जैसे कि सांप्रदायिकता सनातन धर्म को पवित्रता प्रदान करती है। इसी बात को केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान और असम के मुख्यमंत्री हेमंत बिश्वशर्मा ने अलग अलग मंचों पर कहा।

सबसे पहला सवाल तो यही उठता है कि अगर समाजवाद और धर्मनिरपेक्षता शब्द सनातन को अपवित्र करने वाला है तो वह संघ के राजनीतिक संगठन भारतीय जनता पार्टी के संविधान की शोभा क्यों बढ़ा रहा है? स्मरण रहे कि जब 1980 में भारतीय जनता पार्टी बनी तो उसने 'गांधीवादी समाजवाद' को अपने उद्देश्य के रूप में अपनाया। आज

भी उसके संविधान का अनुच्छेद 2 कहता है:---

"पार्टी भारतीय संविधान द्वारा स्थापित विधि और समाजवाद व धर्मनिरपेक्षता और लोकतंत्र के सिद्धांतों के प्रति सच्ची आस्था और निष्ठा रखेगी और भारत की संप्रभुता, एकता और अखंडता को कायम रखेगी।"

इससे आगे भाजपा के संविधान का अनुच्छेद 4 कहता है कि "पार्टी **सकारात्मक धर्मनिरपेक्षता** जो कि सर्वधर्म समभाव है उसका पालन करेगी और मूल्य आधारित राजनीति करेगी। और सत्ता का विकेंद्रीकरण करेगी।"

पिछले 11 सालों के शासन में देख लीजिए भाजपा ने इनमें से किस मूल्य का पालन किया है? जिन डॉ भीमराव अंबेडकर का नाम भाजपा बार-बार लेती है उन्होंने साफ शब्दों में कहा था कि हिंदू राष्ट्र का विचार एक भयानक विचार है और मैं उसकी कल्पना से सिहर जाता हूं।

लेकिन संघ परिवार एक मंच पर डॉ अंबेडकर के संविधान का उल्लेख करता है तो दूसरे मंच पर हिंदू राष्ट्र का। रोचक तथ्य यह भी है कि संघ के कई विचारक इस तरह का ग्रंथ भी लिखते हैं कि संविधान बनाने का श्रेय डॉ अंबेडकर को झूठे ही दिया जाता है वह तो बीएन राव का बनाया हुआ है। डॉ अंबेडकर ने मात्र लिपिक की भूमिका निभाई।

विडंबना यह है कि भारतीय जनता पार्टी 25 जून को संविधान हत्या दिवस मनाती है लेकिन उसकी सरकारें और प्रशासन प्रतिदिन संविधान की अवमानना करने में संकोच नहीं करते। यानी संविधान को माथे से लगाना एक दिखावटी रुख है असली उद्देश्य तो संविधान को तोड़ना मरोड़ना और उसकी मनमानी व्याख्या करना है और अगर लोग तैयार हो जाएं तो उसे हटा देना है। इस सरकार के आर्थिक सलाहकार विवेक देवराय कह चुके हैं कि आर्थिक तरक्की में संविधान बाधा डाल रहा है।

ध्यान रहे कि 2014 में जब भाजपा सत्ता में आई तो उसका नारा था--- सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास। लेकिन जब उसे अपने दम पर बहुमत मिल गया तो उसने समाज के अल्पसंख्यक तबके को दरकिनार करना शुरू कर दिया।

धर्मपरिवर्तन विरोधी कानून बनाए गए, अंतर्धार्मिक विवाहों के लिए सरकार की अनुमति आवश्यक कर दी गई, कांवड़ यात्रा से लेकर बहुसंख्यक समाज के तमाम धार्मिक आयोजनों में होटल वालों और दुकान वालों के लिए धर्म बताना अनिवार्य किया जाने लगा, समान नागरिक संहिता का खौफ पैदा किया गया और अंत में बहुसंख्यक समाज के धर्म को अनौपचारिक तौर पर राज्य के धर्म का दर्जा दे दिया गया। राज्य का मुखिया यानी प्रधानमंत्री बहुसंख्यक धार्मिक आयोजनों और विशेषकर राममंदिर की प्राण प्रतिष्ठा में

खुलकर हिस्सा लेने लगे। इतना ही नहीं दूसरे धर्मों के आयोजनों से राज्य के मुखिया दूर रहने लगे। यानी सभी धर्मों को बराबर निगाह से देखने और सभी से बराबर दूरी बनाए रखने या फिर भाजपा के अनुसार सर्वधर्म समभाव की कल्पना भी भुला दी जाने लगी।

निश्चित तौर पर इंदिरा गांधी के आपातकाल का जोरदार विरोध होना चाहिए और हुआ भी। लेकिन यह स्वीकार करने में कोई हर्ज नहीं है कि इंदिरा गांधी ने 1969 से ही समाजवादी रुझान की आर्थिक नीतियों को अपनाना शुरू कर दिया था और आपातकाल में अपनी वैधता साबित करने के लिए उसे और दृढ़ता देनी चाही। इंदिरा गांधी ने 1971 का चुनाव भी गरीबी हटाओ के नारे पर लड़ा और जीता।

आपातकाल के दौरान 1976 में जब उन्होंने 42 वें संविधान संशोधन के तहत कार्यपालिका और न्यायपालिका के अधिकारों में व्यापक बदलाव किए तो प्रस्तावना में समाजवाद और सेक्यूलर शब्द शामिल किया। साथ ही राष्ट्र की एकता के साथ अखंडता शब्द भी जोड़ा। उस समय इंदिरा गांधी ने कहा कि संविधान निर्माता चाहते थे कि समाज सेक्यूलर और सोशलिस्ट बने। हम बस इतना कर रहे हैं कि उसे संविधान में शामिल कर रहे हैं।

इंदिरा गांधी के तमाम अच्छे और बुरे कामों पर चर्चा हो सकती है लेकिन यह बात किसी प्रकार गलत नहीं कही जा सकती। अगर उनकी यह बात गलत थी तो 1978 में जब जनता पार्टी की सरकार ने 44 वें संशोधन के तहत 42 वें संशोधन को पलटा तो प्रस्तावना में जोड़े गए इन दो शब्दों को क्यों नहीं छुआ? जबकि जनता पार्टी में भारतीय जनसंघ शामिल था और उसके नेता अटल बिहारी वाजपेयी देश के विदेश मंत्री और लाल कृष्ण आडवाणी सूचना और प्रसारण मंत्री थे। जिसने भी संविधान ठीक से पढ़ा है वह इस बात से कैसे इनकार कर सकता है कि संविधान की मूल भावना समाजवादी और सेक्यूलर ही है। भले ही पूंजीवाद के प्रचंड प्रभाव में सरकारें उस भावना के अनुरूप नीतियां न बनाएं।

संविधान के तीसरे भाग में दिए गए मौलिक अधिकार जहां उसे सेक्यूलर बनाते हैं वहीं चौथे भाग के राज्य के नीति निदेशक तत्व उसे समाजवादी बनाते हैं। हालांकि मौलिक अधिकार भी समाजवादी भावना से ही सृजित किए गए हैं। बल्कि अगर हम ग्रैनवेल आस्टिन की व्याख्या को देखें तो पाएंगे कि वे एक प्रकार की सामाजिक क्रांति की प्रेरणा देते हैं। अनुच्छेद 14 सभी नागरिकों को राज्य के समक्ष बराबरी का अधिकार देता है। प्रस्तावना में भी समानता शब्द दिया गया है। उसके बाद अनुच्छेद 15 जाति, धर्म, पंथ, जन्म स्थान और भाषा व लिंग के आधार पर किसी प्रकार के भेदभाव को अस्वीकार करता है।

अनुच्छेद 16 सरकारी नौकरियों में किसी प्रकार के भेदभाव को खारिज करते हुए समान अवसर प्रदान करता है। चूंकि समाज

में पहले से ही जातिगत यानी सामाजिक आर्थिक स्थितियों के कारण गैर बराबरी चली आ रही है इसलिए यह अनुच्छेद समान अवसर प्रदान करने के लिए सकारात्मक भेदभाव के सिद्धांत के तहत आरक्षण की भी व्यवस्था करता है।

संघ और भाजपा की निगाह आरक्षण की व्यवस्था को खत्म करने पर लंबे समय से लगी है। लेकिन वोटबैंक की राजनीति के तहत वह मजबूर है। अनुच्छेद 25 जो कि सभी नागरिकों को धार्मिक स्वतंत्रता का अधिकार प्रदान करता है वह अपने में सेक्यूलर होने की गारंटी देता है।

इन सारे अनुच्छेदों को जब हम प्रस्तावना में दिए गए न्याय, समता और बंधुत्व की धारणा के साथ मिलाकर देखेंगे तो पाएंगे कि हमारे संविधान में सेक्यूलर भावना पहले से ही विद्यमान है। लेकिन भाजपा में तमाम प्रकोष्ठ हैं जो अनुच्छेद 26 और 29 व 30 के विरुद्ध विमर्श खड़ा करते हैं क्योंकि यह अनुच्छेद विभिन्न धार्मिक समुदायों को संपत्ति रखने का अधिकार देते हैं और अपनी संस्कृति और भाषा की रक्षा के लिए शैक्षणिक संस्थाएं चलाने की छूट देते हैं।

इसी तरह समाजवाद की भी भावना राज्य के नीति निदेशक तत्व के भीतर है। कहा जाता है कि यह हिस्सा भले ही मौलिक अधिकारों की तरह से अदालत के माध्यम से लागू नहीं किया जा सकता लेकिन इसके आधार पर राज्य ने बार बार कानून बनाए हैं और संपत्ति के अधिकार जैसे मौलिक अधिकारों के उन हिस्सों पर लगाम लगाने की कोशिश की है जो समाजवाद की ओर जाने में बाधा डालते हैं।

अनुच्छेद 39 कहता है कि राज्य नागरिकों की आजीविका के लिए समुचित साधन उपलब्ध कराएगा, संसाधनों का सम्यक बंटवारा करेगा। अनुच्छेद 41 कहता है राज्य नागरिकों को रोजगार और शिक्षा का अधिकार प्रदान करेगा। अनुच्छेद 4 2 कहता है कि राज्य कार्यस्थल पर मानवीय स्थितियां सृजित करेगा। अनुच्छेद 48 खेती में आधुनिक सुधार के लिए प्रेरित करता है। इसी में दिए गए अनुच्छेद 44 में समान नागरिक संहिता की बात की गई है, जिसे अकेले लेकर भाजपा सारा राजनीतिक ध्रुवीकरण करती है।

संघ और भाजपा की निगाह आरक्षण की व्यवस्था को खत्म करने पर लंबे समय से लगी है। लेकिन वोटबैंक की राजनीति के तहत वह मजबूर है।

जबकि संविधान के इसी हिस्से से प्रेरित होकर न्यूनतम वेतन अधिनियम, बाल मजदूर अधिनियम, समान वेतन अधिनियम और भूमि सुधार कानून जैसे तमाम नियम बनाए गए हैं। मनरेगा को भी हम इसी प्रेरणा के तहत पाते हैं। और अनुच्छेद 21-ए में प्रदान किए गए शिक्षा के अधिकार को भी इसी के तहत देखा जाना चाहिए।

संघ और उससे जुड़े वकीलों ने समय समय पर 'समाजवाद' और 'धर्मनिरपेक्षता' को संविधान से हटाने के लिए न्यायालय में याचिकाएं भी दाखिल की हैं लेकिन न्यायालय ने उन्हें निराश ही किया है।

पिछले साल यानी 2024 में भारत के मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना ने वह याचिका खारिज कर दी जिसमें प्रस्तावना से इन शब्दों को हटाने की मांग की गई थी। उन्होंने कहा कि प्रस्तावना में इन शब्दों के जोड़े जाने से चुनी हुई सरकारों को कोई भी कानून पारित करने या नीतियों का निर्धारण में किसी प्रकार की बाधा नहीं आती। बाधा तभी आएगी जब वे संविधान के बुनियादी ढांचे को बदलने की कोशिश करेंगे या फिर संवैधानिक अधिकारों का उल्लंघन करेंगे। इसलिए हमें इस संशोधन को चुनौती देने का कोई आधार समझ में नहीं आता।

रोचक बात यह है कि जब संविधान में यह संशोधन नहीं किए गए थे तब भी 1973 में केशवानंद भारती के मामले में सुप्रीम कोर्ट ने यही माना था कि सेक्यूलर संविधान का मौलिक चरित्र है और इसे बदला नहीं जा सकता। सन 1980 में मिनरवा मिल के मामले में भी अदालत ने कहा कि समाजवाद संविधान निर्माताओं का आदर्श रहा है। सन 1994 में एस आर बोम्मई के केस में अदालत ने केंद्र राज्य संबंधों पर फैसला दिया।

तब कहा गया कि समाजवाद और धर्मनिरपेक्षता संविधान के मूल चरित्र का द्योतक है। इसे बदला नहीं जा सकता। वास्तव में राज्य के नीति निदेशक तत्वों को आयरलैंड के संविधान से लिया गया है। लेकिन इसी के साथ यह भी सच है कि इसे बनाने में डॉ आंबेडकर के उस प्रस्ताव का भी योगदान है जो उन्होंने 'राज्य और

फाइल फोटो

अल्पसंख्यक' के रूप में तैयार करके संविधान सभा के सामने पेश किया था।

वह उनका एक समांतर संविधान था जिसे संविधान सभा ने स्वीकार नहीं किया था। लेकिन संविधान सभा में अपनी महती भूमिका के चलते डॉ आंबेडकर ने उसे नीति निदेशक तत्त्वों का हिस्सा बनाने में कसर नहीं छोड़ी।

निश्चित तौर पर भारत में उस तरह धर्म राज्य पर हावी नहीं था जैसे कि यूरोप में चर्च राज्य पर प्रभुत्व रखता था। इसलिए यहां पर स्वतंत्रता आंदोलन में धर्म को राजनीति से उस तरह बाहर रखने की धारणा नहीं विकसित हुई जैसे कि वहां हुई। इसके बावजूद स्वतंत्रता सेनानी इस बात के लिए सतर्क थे कि अंग्रेजों ने जिस तरह भारत में सांप्रदायिकता फैलाई है उसका इलाज तो करना ही पड़ेगा। इसीलिए कराची अधिवेशन में यह संकल्प किया गया कि शासन सभी धर्मों के प्रति तटस्थ रहेगा।

जहां तक राजनीति में धर्म के प्रवेश का सवाल है तो गांधी ने अवश्य धर्म का सहारा लिया लेकिन उनका धर्म संगठित धर्म से एकदम भिन्न था। गांधी ने 1940 में एक प्रश्नकर्ता को बताया, " हां आज भी मेरा यह विचार है कि मैं धर्म से रहित राजनीति की बात नहीं सोच सकता। धर्म हमारे प्रत्येक कार्य में परिलक्षित होना चाहिए। यहां धर्म का अर्थ पंथवाद नहीं है। इसका मतलब विश्व की व्यवस्थित नैतिक सरकार से है......यह धर्म हिंदूवाद, इस्लाम, ईसाइयत आदि से परे है।"

लेकिन संघ परिवार की मुश्किल यह है कि उसे न तो हिंदूवाद के श्रेष्ठ मूल्यों से लेना देना है और न ही समाजवाद के। यह सब उसके लिए नारे हैं। उसे संगठित धर्म चाहिए जिसमें दूसरे संगठित धर्म से प्रतिस्पर्धा हो और वही प्रतिस्पर्धा जिसे अंग्रेज शासकों ने विकसित करके इस देश को सांप्रदायिक बनाया और इतिहास को हिंदू इतिहास, मुस्लिम इतिहास और ब्रिटिश इतिहास में बांटा।

वे अपने इतिहास को आधुनिक इतिहास कहते थे जबकि उनके फार्मूले के लिहाज से वह ईसाई इतिहास था। इतिहास को इसी नजरिए से देखने वाला संघ परिवार समाज में बराबरी लाने के प्रयासों से चिढ़ता है, वह बंधुत्व के मूल्य से भी परहेज करता है। इसलिए उसे समाजवाद और सेक्यूलर शब्दों से परेशानी है।

लेकिन असली परेशानी उस संविधान से है जो कि हिंदू राष्ट्र के मार्ग में बाधा बनकर खड़ा है। इसलिए इंडिया समूह को अपने उस अभियान को धीमा नहीं करना चाहिए जो उन्होंने संविधान की रक्षा के बहाने 2024 में लोकसभा चुनाव के दौरान चलाया था।

संघ के मन की बात!

अरविन्द मोहन
लेखक, वरिष्ठ पत्रकार

अभी राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के नंबर दो माने जाने वाले दत्तात्रेय होसबोले के उस बयान की चर्चा है जो उन्होंने आपातकाल के पचास साल पूरे होने पर आयोजित एक पुस्तक विमोचन समारोह में दिया था। उन्होंने देश के संविधान की प्रस्तावना में धर्मनिरपेक्ष/पंथनिरपेक्ष और समाजवाद शब्द पर आपत्ति करते हुए इन्हें निकालने की वकालत की।

इसके बाद कई मौकों पर संघ से जुड़े लोगों ने होसबोले के कथन का समर्थन किया। वैसे भी संघ का इतना बड़ा पदाधिकारी गलती से ऐसी गंभीर बात नहीं कहता। यह सोच समझकर दिया गया बयान है। भाजपा ने आधिकारिक तौर पर इस राय का समर्थन या विरोध नहीं किया है।

प्रधानमंत्री समेत ज्यादातर मंत्री और भाजपा के पदाधिकारी अपने पूरे ही कार्यकाल में धर्मनिरपेक्षता की धज्जियां उड़ाते रहे हैं लेकिन जब घोषणा करनी होती है तो अभी भी उनको यही कहना पड़ता है कि देश संविधान से ही चलेगा। आपरेशन सिंदूर के समय दुनिया को दिखाने के लिए प्रवक्ता चुनते समय उनको कुछ और सूझता है।

वरना पिछले चुनाव के समय तो मोदी जी मुसलमानों को सीधे सीधे गाली देने लगे थे। और सरकार जो आर्थिक नीतियां चला रही है उससे अगर समाजवाद आए या संविधान के नीति-निर्देशक तत्वों के अनुसार अमीर-गरीब का अंतर कम हो जाए तो यह चमत्कार ही होगा। यह तो बबूल का पेड़ लगाकर आम खाने जैसा चमत्कार हो जाएगा।

संविधान की शपथ लेकर मोदी जी या उनके मंत्री या फिर उप राष्ट्रपति जैसे पदों पर बैठे लोग किस तरह संविधान के बुनियादी उसूलों से खिलवाड़ कर रहे हैं यह बात अपनी जगह है लेकिन संघ के नेता होसबोले के बयान का आधिकारिक समर्थन न करना भी एक परदा तो है ही। लेकिन इसमें भी जगदीप धनखड़ और शिवराज सिंह चौहान जैसे लोगों ने होसबोले का समर्थन करके इस परदे का छेद तो दिखा ही दिया है।

सौ मुंहों से बोलने वाले संघ परिवार में भाजपा कब किस चीज को अपना ले और कब चुप्पी साध ले यह भी रिकार्ड है ही। उस हिसाब से अभी इन सवालों पर भाजपा का आधिकारिक समर्थन न आना कोई आश्वस्त नहीं करता। वह कभी भी पलटी मार सकती है।

देश की आजादी की लड़ाई, संविधान निर्माण और इसके बुनियादी संस्कारों से संघ का जो रिश्ता रहा है, होसबोले का बयान उसी दिशा में है। अब यह गिनवाने का कोई मतलब नहीं है कि संघ का आजादी की लड़ाई में योगदान शून्य ही नहीं नकारात्मक

रहा है। कई बार उनके लोगों ने मुखबिरी की तो कई बार पाकिस्तान समर्थक मुस्लिम लीग के साथ मिलकर सरकार चलाई और राष्ट्रीय आंदोलन को कुचलने की कोशिश की।

भारतीय संविधान को लेकर उनकी आपत्ति जगजाहिर है और वे मनुस्मृति और शुक्र नीति से देश का संविधान बनाने की वकालत करते रहे हैं। तिरंगा फहराना भी उन्होंने अभी हाल में शुरू किया है। आज भी उनके लिए राम जी, सीता जी, दुर्गा जी का महत्व कथित राष्ट्र से नीचे ही है-सबसे ऊपर भगवा ध्वज है। और तो और वह दुनिया का शायद एकमात्र संगठन है जिसे खुद को खड़ा करने वाले गुरुजी की किताबों के हर संस्करण में संशोधन करना पड़ता है।

संघी जमात की बुनियादी सोच में धर्मनिरपेक्षता और समाजवाद शब्द अखरें यह स्वाभाविक है। ये मूल्य संघ के कभी नहीं रहे हैं। समानता से उसका बैर रहा है और गैर बराबरी उसका बुनियादी उसूल है- चाहे जाति हो या धर्म, राष्ट्र हो या इलाका, औरत हों या मर्द, हर किस्म के भेद में वह हिन्दू, अगड़ा/ब्राह्मण और पुरुष के पक्ष मे रहा ही है, अमीर उसको प्रिय हैं और गरीब तथा पिछड़े नफरत का पात्र।

अगर मन के अंदर की बात एक बड़े अवसर पर सामने आ जाती है तो इसमें आश्चर्य की कोई बात नहीं है। आश्चर्य की बात इस सवाल पर नरेंद्र मोदी और अमित शाह जैसों की चुप्पी है। राजनीति, शासन और चुनावी राजनीति के शीर्ष पर होकर भी मन की बात न कह पाने का डर क्यों है यह समझना थोड़ा मुश्किल है वरना भाजपाई प्रवक्ता गण तो हर चीज को चुनावी जीत से जायज ठहराते रहे हैं।

असल मे यही वह पेंच है जो होसबोले के बयान को इतना महत्व दिला रहा है और इसे संघ की इच्छा की अभिव्यक्ति की जगह भाजपा के लिए एटम बम माना जा रहा है। बिहार विधानसभा के चुनाव में संघ प्रमुख मोहन भागवत ने आरक्षण को लेकर संघ की ऐसी ही अंदरूनी इच्छा को जाहिर किया था जिसने नरेंद्र मोदी और अमित शाह की कई सारी चुनावी रणनीति और तैयारियों को ध्वस्त कर दिया था और लालू-नीतीश की शानदार जीत हुई थी।

ये मूल्य संघ के कभी नहीं रहे हैं। समानता से उसका बैर रहा है और गैर बराबरी उसका बुनियादी उसूल है

भाजपा अभी तक बिहार विधानसभा चुनाव नहीं जीत पाई है जबकि अटल-आडवाणी वाले दौर से ही लोक सभा की ज्यादातर सीटें आसानी से जीत लेती है। कहना न होगा कि संघ कभी भी आरक्षण के पक्ष में नहीं रहा है जबकि चुनावी दबाव के चलते भाजपा ने आरक्षण का समर्थन किया है और कई बार वह खुद को असली पिछड़ा समर्थक होने का दावा भी करती रही है।

आज भी दूर दूर तक लोकतान्त्रिक कार्यपद्धति को अपने कामकाज और व्यवहार से दूर रखने वाला संघ सौ साल तक भले अपने कामकाज को चितपावन ब्राह्मणों के अधीन बनाए रखने में सफल है। उसने दलितों, आदिवासियों, महिलाओं और जाहिरा तौर पर अल्पसंख्यकों को अपने कामकाज के संचालन और नेतृत्व से दूर रखने में सफलता पा ली है।

भाजपा ने तीस पैंतीस साल में ही चुनावी लोकतंत्र की ताकत और अपनी सोच या कामकाज में असली-नकली बदलाव करके देश की सबसे बड़ी राजनैतिक ताकत बनने में सफलता हासिल की है। लाख अवगुण-गुण के बावजूद पहले अटलबिहारी वाजपेयी और आज उससे भी ज्यादा नरेंद्र मोदी का कद बड़ा हो चुका है।

अटल जी ने तो अपनी सत्ता कई बार संघ के लोगों को दिखाई और कई बार दत्तोपन्त ठेंगरी जैसे लोग उनसे टकराए भी लेकिन मोदी राज में तो संघ के नेता और स्वयंसेवक उनकी आरती ही उतारते रहे है। उनका कद आज इतना बड़ा है कि संघ उनसे सीधे नहीं टकरा सकता।भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने लोकसभा चुनाव के दौरान सीधे कह दिया कि अब भाजपा को संघ के समर्थन की जरूरत नहीं रह गई है।

अब फिर बिहार चुनाव आ गए हैं। संघ को मालूम है कि भाजपा की वहां क्या मुश्किलें हैं और उसके लिए बैसाखी बने नीतीश कुमार अब किस तरह बोझ बन गए हैं। उसे मोदी-शाह के मुकाबले अपने संगठन और नेताओं की ताकत का अंदाजा न हो यह संभव नहीं है। पर उसको अपनी घटती ताकत, अपने कार्यकर्ताओं के सत्ता से चिपककर भ्रष्ट और आरामतलब बनने तथा उनको किसी भी तरह फिर से पुराने दिनों जैसा त्याग-तपस्या वाला बनाना संभव न होने की सच्चाई भी मालूम होगी।

इसके साथ ही उसको अपने धनात्मक से ज्यादा ऋणात्मक शक्ति का पता होगा।

अगर वह भाजपा को जितवाने की ताकत रखती है तो उसमें हराने की ताकत भी है। उसका सिर्फ चुप्पी साध लेना भी भाजपा को भारी पड़ सकता है। होसबोले के बयान को इसी संदर्भ में देखना ज्यादा सही है। संघ का अपना चरित्र और सोच क्या है यह एक बात है लेकिन इस बयान की टाइमिंग ज्यादा महत्व की है पर मुश्किल यह है कि इस बयान का फलित प्रभाव संविधान संशोधन और बाबा साहब के अपमान तक जाएगा।

जब आपातकाल में ये शब्द लाए गए थे तो यह किसी तानाशाह की इच्छा से निकले शब्द नहीं थे न इनके सहारे तानाशाही को मजबूत किया जा सकता है। इनसे तानाशाही, गैर बराबरी और समाज की बुनियादी बुराइयों पर ही रोक लगती है। तब अदालती फैसलों, सामाजिक चर्चाओं और राजनैतिक लड़ाइयों के दबाव के चलते सामाजवाद और सेकुलर शब्द जोड़े गए थे जिन्हें जनतापार्टी के राज के बड़े संविधान संशोधन में भी नहीं हटाया गया था।

इसलिए मोदी सरकार या कोई और सरकार इसे हटाए यह हाल फिलहाल संभव नहीं दिखता। यह बदलाव बाबा साहब का अपमान भी माना जाएगा और उनके समर्थक अभी इतनी बड़ी संख्या में हैं कि वे जन-दबाव बनाकर इसे रोक दें।

बिहार तो राजनैतिक रूप से सबसे संवेदनशील और जागरूक राज्य है। वहां आरक्षण पर दिए बयान की बार बार सफाई का कोई असर नहीं हुआ। इस बार तो तैयारी से ये मामले उठे हैं। इनका असर भाजपा और संघ की अपनी राजनीति पर जितना होगा उससे ज्यादा बिहार चुनाव पर होगा ही।

समाजवादी मनाएंगे संविधान-मानस्तंभ स्थापना दिवस

बुलेटिन ब्यूरो

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव ने 26 जुलाई को 'आरक्षण दिवस' पर 'संविधान-मानस्तंभ स्थापना दिवस' के रूप में मनाने का निर्णय लिया है।

श्री अखिलेश यादव के इस निर्णय से प्रदेश के सभी जिलों को अवगत कराते हुए संविधान-मान स्तंभ स्थापना दिवस मनाने का अनुरोध किया गया है।

26 जुलाई का यही वही दिन है जब महात्मा ज्योतिबा फुले जी द्वारा संकल्पित 'आरक्षण' को कोल्हापुर के परम आदरणीय-अनुकरणीय श्रीमंत महाराज राजर्षि छत्रपति शाहूजी महाराज जी ने अपने कोल्हापुर राज्य में लागू किया था। इसी दिन 'आरक्षण देने का शुभारंभ' हुआ था।

'सामाजिक न्याय' की भावना को आरक्षण के रूप में इसी दिन अमल में लाया गया था, जो आगे चलकर बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर जी के सद्प्रयासों से हमारे संविधान में एक जनाधिकार के रूप में सामाजिक न्याय को सुनिश्चित करने का मूल आधार बना और देश के लोकतंत्र की स्थापना का मूल सिद्धांत भी।

समाजवादी पार्टी इसी परिप्रेक्ष्य में 'संविधान-मानस्तंभ स्थापना दिवस' का आयोजन करने जा रही है। श्री अखिलेश यादव ने बताया कि आगामी 26 जुलाई को सपा के मुख्यालय व सभी जिला कार्यालयों में एक सादगीपूर्ण समारोह में भारत के संविधान की प्रति के सानिध्य में 'संविधान-मानस्तंभ स्थापना दिवस' आयोजित किया जाएगा।

इसके पीछे यही मूल भावना है कि 'संविधान-मानस्तंभ' वस्तुतः 'पीडीए-प्रकाश स्तंभ' के रूप में हमारे 'सामाजिक न्याय के राज' की स्थापना के संकल्प का मार्ग सदैव प्रकाशित और प्रशस्त करता रहे। जब संविधान बचेगा तभी आरक्षण बचेगा। संविधान ही ढाल है, संविधान ही कवच है।

अखिलेश के दौरों में बदलाव की धमक

बुलेटिन ब्यूरो

उत्तर प्रदेश में 2027 में होने वाले विधानसभा चुनाव से पहले ही माहौल बदल गया है। भाजपा राज से दुःखी, परेशान जनता अब श्री अखिलेश यादव के नेतृत्व में सपा की सरकार बनाने के लिए पूरी तरह तैयार है।

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव को प्रदेश के विभिन्न इलाकों में दौरों के दौरान मिल रहे अपार जनसमर्थन से स्पष्ट संकेत मिल रहे हैं कि भाजपा की सत्ता से विदाई तय है और 2027 में यूपी में समाजवादी सरकार बनने जा रही है।

बीते दिनों श्री अखिलेश यादव जिलों के दौरों पर निकले तो हर तरफ अखिलेश-अखिलेश की गूंज रही।

इस माहौल ने पूरे उत्तर प्रदेश को संदेश दे दिया है कि जनता का रुझान समाजवादी पार्टी के पक्ष में है और अब वह भाजपा सरकार से मुक्ति पाना चाहती है। अभूतपूर्व स्वागत से अभिभूत श्री अखिलेश यादव ने भी जनता को भरोसा दिलाया है कि सरकार बनने पर जनता की भावनाओं के अनुरूप ही काम होगा और जिन जनकल्याणकारी योजनाओं को भाजपा सरकार ने बंद कर दिया है, उन्हें फिर शुरू किया जाएगा। महिलाओं को हर माह 3000 रुपये भी दिए जाएंगे।

21 जून को श्री अखिलेश यादव **कन्नौज** के दौरे पर थे। जनता ने जिस तरह श्री अखिलेश यादव का समर्थन किया और लोगों का जनसैलाब उमड़ पड़ा, उसने बता दिया कि उत्तर प्रदेश अब, समाजवादी पार्टी और श्री अखिलेश यादव के पक्ष में खड़ा हो चुका है खासकर पीडीए एकजुट होकर समाजवादी सरकार या यूं कहें कि जनता की सरकार बनाने को तैयार है।

बेरोजगारी, महंगाई, चौपट कानून-व्यवस्था, महिला हिंसा की बढ़ती घटनाएं भाजपा के ताबूत में आखिरी कील साबित हो गई है। चूंकि जनता ने श्री अखिलेश यादव की सरकार में काम होता देखा है इसलिए

अब आमजन 2027 में समाजवादी सरकार बनाने को तैयार है।

जनता के भरोसे और स्वागत से अभिभूत श्री अखिलेश यादव ने भाजपा को जमकर घेरा। उन्होंने आमजन को बताया कि इस सरकार को क्यों अब बेदखल किया जाना चाहिए। बाद में उन्होंने मीडिया से बातचीत करते हुए कहा कि भाजपा सरकार में कानून व्यवस्था ध्वस्त हो चुकी है। अपराधी खुलेआम हत्याएं कर रहे हैं। प्रदेश में कोई कहीं भी सुरक्षित नहीं है। थानों के सामने हत्याएं हो रही हैं।

उन्होंने कहा कि गाजियाबाद में एफआईआर लिखाने गए शख्स की हत्या हो गयी। महिलाएं, बेटियों के साथ जघन्य घटनाएं हो रही हैं। पुलिस वसूली करते पकड़ी जा रही है। हर जिले से वसूली और भ्रष्टाचार की शिकायतें आ रही हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार ने प्रदेश के टॉप टेन माफियाओं की सूची तो जारी नहीं की। कम से कम जिलों के ही टॉप टेन माफियाओं की सूची जारी कर देनी चाहिए। सूची जारी करते ही पता चल जाएगा कि कन्नौज, कानपुर, प्रयागराज, गोरखपुर, कुशीनगर, वाराणसी, कौशाम्बी, मिर्जापुर और अन्य जिलों के टॉप टेन अपराधी कौन हैं?

श्री अखिलेश यादव ने कहा कि समाजवादी पार्टी प्राथमिक स्कूलों को बंद करने और उनके मर्जर के खिलाफ है। बच्चे और बच्चियां दूर के स्कूलों में कैसे पहुंचेंगे। सरकार के पास बच्चों को स्कूल पहुंचाने के लिए आवागमन के क्या साधन हैं।

जब स्कूल खोले गए थे तब उद्देश्य था कि गरीब परिवारों के बच्चे आसानी से स्कूल पहुंच जाएं। सबको शिक्षा मिले इसीलिए मिड-डे-मील योजना शुरू की गई थी। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार षडयंत्र के तहत स्कूलों को बंद करना चाहती है। सरकार नौजवानों को नौकरी और आरक्षण नहीं देना चाहती है। स्कूल बंद करके शिक्षकों के पद खत्म करना चाहती है। भाजपा जानबूझकर स्कूलों को बंद कर गरीबों से शिक्षा, नौजवानों से नौकरी और पीडीए का आरक्षण छीनना चाहती है।

श्री यादव ने कहा कि भाजपा सरकार में भ्रष्टाचार और लूट चरम पर है। सड़कों के गड्ढामुक्त के नाम पर भारी भ्रष्टाचार हुआ। भ्रष्टाचार के पैसे के बंटवारे को लेकर सरकार में झगड़ा हो रहा है। झगड़ा कई स्तरों पर है।

श्री अखिलेश यादव ने कहा कि सीएम और डिप्टी सीएम भी लड़ रहे हैं। यह अलग तरह की सरकार है। अभी तक इंजन टकरा रहे थे अब तो डिब्बे भी आपस में टकरा रहे हैं।

25 जून को श्री अखिलेश यादव **फर्रुखाबाद** में थे। वे वहां समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व सांसद स्वर्गीय छोटे सिंह यादव की

त्रयोदशी एवं शांति पाठ कार्यक्रम में शामिल होने पहुंचे थे। शांति पाठ में शामिल होकर श्री अखिलेश यादव ने कहा कि पूर्व सांसद श्री छोटे सिंह यादव ने अपना पूरा जीवन समाजवादी आंदोलन को मजबूत करने में लगा दिया। समाजवादी पार्टी ने एक ऐसा नेता खोया है जो संगठन को और जमीनी मुद्दों को समझते थे। उनकी कमी हमेशा दिखाई देगी।

फर्रुखाबाद जनपद में सपा जिस तरह श्री अखिलेश यादव से मुलाकात करने के लिए अपार जनसमूह उमड़ा, उसने संदेश दे दिया कि जनता भाजपा सरकार से परेशान है और उसे हटाने के लिए श्री अखिलेश यादव से उम्मीद लेकर पहुंची है। श्री अखिलेश यादव ने सभी को भरोसा दिलाया कि उनके सहयोग से 2027 में जनता की सरकार बनेगी। पूरे उत्तर प्रदेश में समाजवादी सरकार के पक्ष में माहौल बना हुआ है।

पत्रकारों से बातीचत करते हुए श्री अखिलेश यादव ने कहा है कि भाजपा सरकार में देश में अघोषित आपातकाल है। पत्रकारों के सच लिखने पर पाबंदी है। भाजपा सभी संवैधानिक संस्थाओं पर कब्जा कर रही है। लोगों के अधिकार छीने जा रहे हैं। विपक्षी दलों के नेताओं पर झूठे मुकदमें लगाकर जेल में डाला जा रहा है। प्रताड़ित किया जा रहा है। लोगों को वोट डालने से रोका जाता है।

उन्होंने कहा कि भाजपा लोकतंत्र की हत्या कर रही है। संविधान विरोधी कार्य कर रही है। भाजपा सरकार धर्म को धर्म से और जाति को जाति से लड़ा रही है। भाजपा नकारात्मक राजनीति करती है। उसका नकारात्मक राजनीति करने का यही तरीका है। श्री अखिलेश यादव ने कहा कि सभी को याद है कि जयप्रकाश नारायण जी ने संपूर्ण क्रांति का आवाह्न किया था। उन्होंने कहा था कि भ्रष्टाचार और महंगाई चरम पर है।

उसी समय सम्पूर्ण क्रांति का आंदोलन चला था। जिसके बाद लोगों को इमरजेंसी देखने को मिली। आज भी महंगाई, बेरोजगारी, भ्रष्टाचार, अन्याय, अत्याचार चरम पर है। लोगों की आवाज दबाई जा रही है। सच बोलने पर प्रताड़ित किया जा रहा है। इस समय देश में अघोषित इमरजेंसी है।

श्री यादव ने कहा कि आज जो घटनाएं हो रही हैं ऐसा इमरजेंसी में भी नहीं हुआ था। इटावा में वर्चस्ववादी लोगों ने भागवत कथा वाचकों के साथ दुर्व्यवहार किया। अपमानित किया। बाल काट दिया और उनके ऊपर पेशाब डाल दिया। समाज में ऐसे शोषणकारी और वर्चस्ववादी लोगों के लिए जगह नहीं होनी चाहिए। प्रदेश में जिस तरह की घटनाएं हो रही हैं उसके लिए भाजपा जिम्मेदार है।

श्री अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा सरकार में हर जगह हर स्तर पर भ्रष्टाचार है। सभी विभागों में भ्रष्टाचार और लूट हो रही है। श्री यादव ने कहा कि 2027 में सरकार बनने पर समाजवादी पार्टी प्रदेश में आउटसोर्स व्यवस्था खत्म करेगी। युवाओं को पक्की नौकरी देगी। भाजपा सरकार में भर्तियों में पीडीए के लोगों को संविधान के अनुसार आरक्षण नहीं मिला। आरक्षण में भारी हेरफेर हुआ है। हमारी मांग है कि सरकार पुलिस भर्ती की पूरी सूची जारी कर दे। सब पता चल जायेगा कि किस तरह की धांधली हुई है। समाजवादी सरकार के दौरान पुलिस की भर्ती मेरिट से, पूरी पारदर्शिता और ईमानदारी से हुई थी। लंबे समय से पुलिस विभाग में प्रमोशन नहीं हुआ था। समाजवादी सरकार ने बड़े पैमाने पर पुलिस का प्रमोशन किया था।

2027 में आरपार

समाजवादी हैं तैयार

*उत्तर प्रदेश में वर्ष 2027 में होने वाले विधानसभा चुनाव में समाजवादी पार्टी की सरकार बनाने के लिए समाज के हर तबके ने जिस तरह संकल्प लिया है, यह बदलाव की बड़ी आहट है जिसमें दृढ़ता है, विकास का स्पष्ट विजन है और यूपी की तरक्की के लिए कुछ कर गुज़रने का जज़्बा है। बेरोजगारों को नौकरी देने, महिलाओं की सुरक्षा और अल्पसंख्यक समाज व व्यापारियों के हितों के लिए 2027 में आरपार की लड़ाई के लिए समाजवादी पार्टी कैसे पूरी तरह तैयार है, उस पर पेश है यह **विशेष रिपोर्ट:***

अखिलेश को
प्रदेश की कमान देने का संकल्प

अल्पसंख्यक सभा की बैठक

बुलेटिन ब्यूरो

समाजवादी पार्टी के राज्य मुख्यालय लखनऊ में 16 जून को समाजवादी अल्पसंख्यक सभा के राष्ट्रीय एवं प्रांतीय पदाधिकारियों की बैठक में संकल्प लिया गया कि 2027 में समाजवादी सरकार की बागडोर समाजवादी पार्टी के मुखिया श्री अखिलेश यादव के हाथ में सौंपने के लिए कार्यकर्ता कृत संकल्पित हैं।

बैठक को संबोधित करते हुए एवं उसके बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में श्री अखिलेश यादव ने कहा कि समाजवादी अल्पसंख्यक सभा पार्टी का बहुत महत्वपूर्ण संगठन है। बैठक में आए सभी पदाधिकारियों का आभार प्रकट करता हूं। सभी ने संकल्प लिया है कि अपनी वोटर लिस्ट सुधारने का काम करेंगे। भाजपा की साजिश, षड्यंत्र और चुनाव में जो धांधली करती है उसे रोकने के लिए वोटर लिस्ट ठीक करने, गांव, गली और मोहल्लों में जाएंगे। जिन लोगों के वोट छूट गए हैं, उसे

बनवाएंगे। भाजपा ने जो फर्जी वोट बनवाएं है उसे पर आपत्ति दाखिल करेंगे।

श्री अखिलेश यादव ने कहा कि बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर का बनाया संविधान आज खतरे में है। भाजपा नफरत फैलाती है और समाजवादी सरकार के विकास कार्यों के विरुद्ध साजिश करती है। लोकतंत्र और संविधान को बचाने की जिम्मेदारी हम सबकी है।

उन्होंने कहा कि अल्पसंख्यकों की जिंदगी, रोजगार और उनकी अस्मिता पर भाजपा सरकार की निगाहें टेढ़ी हैं। समाजवादी सावधान रहें, कोई धोखा न हो। श्री अखिलेश यादव ने आह्वान किया कि भाजपा सरकार को हटाने के लिए अभी से गांव-गांव, शहर-शहर हर बूथ स्तर तक संगठन को मजबूत बनाना है।

श्री यादव ने कहा कि भाजपा सरकार में न्याय नहीं मिल रहा है। छात्र, नौजवान, बेरोजगार सभी परेशान हैं। भाजपा का सामाजिक और राजनीतिक आचरण तानाशाही पूर्ण है। वह मनमानी करने पर तुली हुई है। भाजपा चुनाव में धांधली करके जीतती है। फर्जी मतदान कराती है।

श्री यादव ने कहा कि सभी नेता, कार्यकर्ता और आमजन अपने-अपने बूथ पर वोट की जांच कर ले, कहीं किसी का वोट कटा तो नहीं है। कहीं कोई फर्जी वोट तो नहीं है। दिन-रात लगकर समाजवादी पार्टी की सरकार बनाने के लिए जनमत तैयार करने का काम करें। इस बार कोई भी अधिकारी कर्मचारी गलत करेगा तो उस पर कार्रवाई होगी। इस बार कोई बचेगा नहीं।

श्री अखिलेश यादव ने कहा कि जो लोग इस महाकुंभ जैसे पवित्र मामले में झूठ बोल सकते है वे भरोसे के लायक नहीं हैं। ऐसे लोगों पर वोटर लिस्ट और जातीय जनगणना के आंकड़ों के मामले में भरोसा नहीं किया जा सकता है। भाजपा सरकार आंकड़ों में हेर-फेर करती है। सभी लोगों को जातीय जनगणना के आंकड़ों पर ध्यान रखना होगा। पूरी तरह सतर्क रहना होगा।

श्री अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा सरकार पीडीए की हकमारी कर रही है। नियमानुसार आरक्षण नहीं दे रही है। पीडीए के साथ हर स्तर पर अन्याय, अत्याचार कर रही है। समाजवादी पार्टी के विधायकों और नेताओं को झूठे मामलों में फंसाकर परेशान कर रही है। भाजपा सरकार में किसी को न्याय नहीं मिल रहा है।

उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश की लड़ाई बड़ी है। उत्तर प्रदेश ही देश की राजनीति की दिशा और दशा तय करता है। 2027 के विधानसभा चुनाव में समाजवादी पार्टी की सरकार बनाने के लिए हम सभी दृढ़ संकल्पित है। समाजवादी सरकार बनने पर सभी का सम्मान होगा।

समाजवादी अल्पसंख्यक सभा की बैठक में ये संकल्प पारित किया गए :

सामाजिक न्याय के राज की स्थापना, संविधान और आरक्षण की रक्षा, जातीय जनगणना करवाकर जनसंख्या के अनुपात में सबको उनका हक़ दिलवाना, हर एक पीड़ित, उत्पीड़ित, शोषित, वंचित, दमित, गरीब, किसान, मजदूर, पिछड़े, दलित, अल्पसंख्यक, असुरक्षित महिला व उपेक्षित युवा के रूप में पीड़ा के एकसूत्र में बंधे हुए संपूर्ण पीडीए समाज को समान अवसर और सम्मान दिलवाना, पीडीए समाज के बीच

संपर्क, संवाद, सहायता के ज़रिये और अधिक सौहार्दपूर्ण संबंध विकसित करके, स्वाभिमान और स्वमान की नई सामाजिक चेतना लाना सहित सामाजिक न्याय के राज के संदेश दूत बनकर अपने-अपने गांव-गली, मोहल्लों के हर घर तक जाएंगे और लोगों को जोड़कर समझाएंगे, हम सब मिलकर सामाजिक न्याय का राज लाएंगे और अपना भविष्य खुद बनाएंगे।

बैठक में राष्ट्रीय अध्यक्ष मौलाना इकबाल कादिरी, प्रांतीय अध्यक्ष शकील नदवी, राष्ट्रीय सचिव राजेन्द्र चौधरी, प्रदेश अध्यक्ष श्री श्याम लाल पाल सहित बड़ी संख्या में सांसद, विधायक, पूर्व मंत्री तथा अन्य प्रमुख नेता मौजूद रहे।

पसमांदा समाज को मिलेगा सम्मान व रोजगार

बुलेटिन ब्यूरो

पसमांदा मुस्लिम समाज की बैठक 16 जून को समाजवादी पार्टी के राज्य मुख्यालय पर श्री अनीस मंसूरी की अध्यक्षता में हुई। बैठक में बतौर मुख्य अतिथि समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव मौजूद रहे। बैठक में पसमांदा मुस्लिम समाज ने 2027 के चुनाव में समाजवादी सरकार बनाने का संकल्प लिया और भरोसा दिलाया कि इस बार कोई चूक नहीं होगी और समाजवादी सरकार बनाने के लिए पसमांदा समाज कोई कसर नहीं छोड़ेगा।

बैठक को संबोधित करते हुए एवं बाद में प्रेस कांफ्रेंस में श्री अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा सरकार के कुशासन, अन्याय, अत्याचार, भ्रष्टाचार के खिलाफ पीडीए एकजुट है। पीडीए एक भावनात्मक गठबंधन है। इसमें भाजपा सरकार से सभी पीड़ित, दुखी और अपमानित लोग शामिल हैं।

उन्होंने कहा कि पसमांदा समाज पीडीए का हिस्सा है। समाजवादी पार्टी की सरकार बनने पर पसमांदा समाज को पूरा राजनीतिक सम्मान दिया जाएगा। इस समाज की सभी समस्याओं का हल किया जाएगा। बुनकरों को सुविधाएं दी जाएंगी। बुनकरों की समस्याओं को समाजवादी पार्टी के घोषणा-पत्र में शामिल करेंगे।

श्री अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा सरकार में बिचौलियों के द्वारा बुनकरों को शोषण हो रहा है। कम पूंजी के कारण बुनकरों का कारोबार नहीं बढ़ रहा है। समाजवादी सरकार में बुनकरों को सुविधा देने के लिए जो सेंटर बनाए गए थे उन्हें इस सरकार ने आगे नहीं बढ़ाया। बुनकरों को मजदूरी कम मिल रही है, जिसके कारण उनके जीवनस्तर में कमी आ रही है। उनकी स्वास्थ्य सम्बंधी तमाम समस्याएं हैं। इनका

तमाम समस्याओं का निदान करने के साथ उनके प्रशिक्षण, नई तकनीक एवं फैशन बाजार के ट्रेंड से गुणवत्तापूर्ण उत्पादन पर भी ध्यान दिया जाएगा।

श्री यादव ने कहा कि समाजवादी पार्टी की सरकार में बुनकर, कारीगरों के लिए अवध शिल्पग्राम, नोएडा और गाजियाबाद में सिटी सेंटर, कारीगरों के लिए किसान, बुनकर बाजार का निर्माण किया गया था। कच्चामाल की बुनकरों को जरूरत रहती है वह नहीं मिल रहा है। बिजली में राहत समाजवादी पार्टी की सरकार में दी गई थी। भाजपा सरकार में बिजली महंगी होने से पावर लूम उद्योग चौपट हो गया है।

श्री अखिलेश यादव ने कहा कि बुनकर उद्योग को प्रोत्साहन न मिलने से बुनकरों की आर्थिक स्थिति में गिरावट आई है। रोजगार बढ़ाने के लिए पूंजी की जरूरत होती है। भाजपा सरकार में इसकी कोई व्यवस्था नहीं हैं। भाजपा सरकार का रोजगार से कोई मतलब नहीं है। वह रोजगार छीन रही है।

उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी में सबका सम्मान है। पसमांदा समाज में तभी खुशहाली आएगी जब भाजपा को हराकर समाजवादी सरकार बनेगी।

बैठक में पसमांदा मुस्लिम समाज के पदाधिकारियों तथा अन्य वक्ताओं ने कहा कि समाजवादी सरकार में सबके साथ न्याय हुआ था। श्री अखिलेश यादव संवेदनशील नेता हैं। उन्होंने गरीबों के लिए बहुत काम किया। उनके समय में विकास हुआ। समाजवादी पार्टी में लोकतंत्र है और यहां सबकी बात सुनी जाती है। भाजपा जुमलेबाज पार्टी है। 2027 में समाजवादी सरकार आने की आहट से ही भाजपा में बौखलाहट है।

वक्ताओं ने कहा कि हरजुल्म की हस्ती मिटाने की ताकत श्री अखिलेश यादव में है। पसमांदा समाज की हालत उनके मुख्यमंत्री बनने पर ही सुधरेगी यही सबका भरोसा है। बैठक में सर्वश्री राजेन्द्र चौधरी पूर्व कैबिनेट मंत्री, जावेद आब्दी राष्ट्रीय सचिव, आशु मलिक विधायक पसमांदा मुस्लिम समाज के प्रमुख नेताओं के अतिरिक्त सर्वश्री मुख्तार मंसूरी, इलियास मंसूरी, अंजुम अली एडवोकेट, वसीम राईनी, महबूब आलम अंसारी, दौलत अली घोसी, शेख सलाहुद्दीन, शहरे आलम कुरैशी, तहसीन मंसूरी, शाहीन अंसारी, मुईन अहमद राईनी, सना परवीन, दीन मोहम्मद दीन, शादाब कुरैशी, डॉ फाजिल, अनवार अहमद अन्नू गद्दी, कदीम आलम आदि भी मौजूद रहे।

आधी आबादी के लिए स्त्री समृद्धि योजना

बुलेटिन ब्यूरो

समाजवादी महिला सभा की राष्ट्रीय एवं प्रांतीय पदाधिकारियों की 22 जून को हुई बैठक में महिलाओं ने 2027 में श्री अखिलेश यादव के नेतृत्व में यूपी में समाजवादी सरकार बनाने का संकल्प लिया।

समाजवादी पार्टी के राज्य मुख्यालय लखनऊ में हुई बैठक में बतौर मुख्य अतिथि समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव व विशिष्ट अतिथि के तौर पर बैठक में मैनपुरी की सांसद श्रीमती डिंपल यादव मौजूद रहीं।

बैठक में श्री अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा की नीतियों से आधी आबादी निराश और हताश है। सपा सरकार में प्रदेश में महिलाओं के लिए स्त्री समृद्धि सम्मान योजना लागू की जाएगी और समाजवादी पेंशन योजना की तरह महिलाओं को तीन हजार रुपये प्रतिमाह पेंशन दी जाएगी।

उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी में महिलाओं को विशेष सम्मान मिलता रहा है। नेताजी श्री मुलायम सिंह यादव ने संगठन में उन्हें महत्व दिया था। उनका मानना था कि स्त्री की तरक्की से समाज और राष्ट्र की तरक्की होती है।

श्री अखिलेश यादव ने कहा कि समाजवादी पार्टी डॉ राममनोहर लोहिया के विशेष अवसर के सिद्धांत का पालन करती है। समाजवादी पार्टी ने महिला आरक्षण पंचायत से लेकर संगठन तक लागू किया है।

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा सरकार में महिलाएं सुरक्षित नहीं है। बहन-बेटियां बच्चियों के साथ लगातार अपराध की घटनाएं हो रही है। समाजवादी सरकार बनते ही महिला सुरक्षा के लिए बनाई गई 1090 सेवा को और मजबूत किया जाएगा। श्री अखिलेश यादव ने कहा कि कुंदरकी विधानसभा सीट के लिए हुए उपचुनाव में देखा गया कि कुछ वर्दी वालों ने और कुछ प्राइवेट लोगों ने मतदाताओं की वोट डालने से रोका। पुलिस ने महिलाओं को रिवाल्वर तान कर डराया और वोट डालने से रोका। फिर भी महिलाएं पुलिस से न डरीं और न

रुकीं। महिलाओं ने वोट डाला। हम उन सभी को बधाई देते हैं और उन्हें बुलाकर सम्मानित करेंगे। उन्होंने कहा कि अमेरिका जैसे देश में भी वोट बैलेट से पड़ता है। हमारी मांग है कि वोट डालने का तरीका बैलेट से ही होना चाहिए।

बैठक में सर्वश्री किरनमय नंदा राष्ट्रीय उपाध्यक्ष, राजेन्द्र चौधरी पूर्व कैबिनेट मंत्री, प्रदेश अध्यक्ष श्याम लाल पाल, पूर्व सांसद कनकलता सिंह, पूर्व एमएलसी डॉ. मधु गुप्ता एवं लीलावती कुशवाहा सहित राष्ट्रीय अध्यक्ष समाजवादी महिला सभा श्रीमती जूही सिंह एवं प्रदेश अध्यक्ष श्रीमती रीबू श्रीवास्तव आदि मौजूद रहीं।

व्यापारियों का डर खत्म करेगी सपा सरकार

बुलेटिन ब्यूरो

समाजवादी व्यापार सभा की राष्ट्रीय व प्रांतीय कार्यकारिणी के पदाधिकारियों की 29 जून को हुई बैठक में समाजवादी सरकार में व्यापारी हितों के लिए हुए कार्यों की प्रशंसा करते हुए व्यापारी समाज ने 2027 में समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव के नेतृत्व में समाजवादी सरकार बनाने का संकल्प लिया। बैठक में समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव बतौर मुख्य अतिथि मौजूद रहे।

बैठक को संबोधित करते हुए श्री अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा सरकार में व्यापार और कारोबार आर्थिक एवं सामाजिक आपातकाल से गुजर रहा है। इस सरकार में नए तरह की इमरजेंसी है। पिछले एक साल में 35 हजार एमएसएमई इकाइयां बंद हो गयी हैं। भाजपा सरकार में उत्पादन नहीं हो रहा है। भाजपा से जुड़े कारोबारी मुनाफा कमा रहे हैं।

बिचौलिये लाभ कमा रहे हैं। भाजपा सरकार में व्यापारियों से चंदे के रूप में विशेष नजराना वसूला जा रहा है। आम व्यापारियों के पास पूंजी नहीं है। उनका व्यापार कैसे चलेगा? निवेश में एडवांस कमीशन मांगा जा रहा है। भाजपा सरकार के टैक्स सिस्टम से व्यापारियों में डर का माहौल है।

श्री अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा सरकार में जीएसटी, पुराने मामलों की झूठी नोटिस और सेटलमेंट के नाम पर व्यापारियों से वसूली हो रही है। कानपुर में सेटलमेंट पालिसी के नाम पर व्यापारियों के प्रतिष्ठानों के सामने महीनों पुलिस बैठा दी गई थी। सरकार की नीतियों के खिलाफ आवाज उठाने पर छापे मारे जाते हैं। भाजपा सरकार की वसूली की नीतियों से व्यापारी दुःखी और परेशान हैं।

सपा मुखिया ने कहा कि भाजपा माफिया पार्टी है। भाजपा के लोग माफियाओं की तरह काम करते हैं। भाजपा सरकार में व्यापारियों को तमाम तरह से प्रताड़ित किया जा रहा है। कहीं जीएसटी के नाम पर छापा मारा जा रहा है तो कहीं अन्य टैक्सों के नाम पर वसूली हो रही है। लोगों के पास वर्किंग कैपिटल नहीं बची है।

उन्होंने कहा कि प्रदेश में बनने वाली समाजवादी सरकार व्यापारियों की सुरक्षा, सम्मान के लिए काम करेगी। व्यापारियों की हर तरह से मदद की जाएगी। समय आने पर समाजवादी सरकार व्यापारियों को सुविधा

...तो सीएम के विश्वविद्यालय की भी हो जांच

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव ने कहा कि मोहम्मद आजम खां साहब ने यूनिवर्सिटी बनाई। भाजपा सरकार ने यूनीवर्सिटी बंद करा दी। उन पर और परिवार पर झूठे मुकदमे लगवा दिए। मोहम्मद आजम खां साहब विश्वविद्यालय के चांसलर बने तो अब मुख्यमंत्री जी ने भी गोरखपुर में विश्वविद्यालय बना लिया है और चांसलर बन गए हैं।

मुख्यमंत्री जी ने कैबिनेट के जरिए राजस्व विभाग, सड़क और तालाब की जमीन को विश्वविद्यालय का हिस्सा बना लिया है। अगर मुख्यमंत्री जी ने वही काम किया है तो आजम साहब ने क्या गलत किया था? अगर आजम साहब के विश्वविद्यालय के कागज चेक किए गए तो मुख्यमंत्री जी के यूनिवर्सिटी के भी कागजों की जांच होनी चाहिए।

देगी, व्यापारियों की रक्षा करेगी।

श्री अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा सरकार में प्रदेश की कानून व्यवस्था ध्वस्त है। समाजवादी पार्टी की मांग है कि भाजपा सरकार प्रदेश के टॉप 20 माफियाओं व जिलों के टॉप 10 माफियाओं की सूची जारी करे। सरकार वाराणसी, चंदौली, गोरखपुर, मिर्जापुर, कुशीनगर, इटावा, मैनपुरी, फिरोजाबाद, लखनऊ कानपुर, उन्नाव समेत सभी जिलों के टॉप टेन माफियाओं की सूची जारी करे।

उन्होंने कहा कि जिलों जिलों के टॉप टेन माफियाओं की सूची जारी होने से अपराध की घटनाएं कम हो जाएंगी लेकिन भाजपा सरकार सूची नहीं जारी करेगी क्योंकि माफिया और अपराधी भाजपा से जुड़े हैं। प्रदेश में आए दिन हत्याएं हो रही हैं। पुलिस की अपराधियों से साठगांठ है।

उन्होंने कहा कि भाजपाई चुनाव हार रहे हैं। बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर की प्रतिमाएं भाजपा के लोग तोड़वा रहे हैं। प्रदेश में अराजकता फैला रहे हैं। भाजपा के लोग सेकुलरिज्म और सोशलिज्म के खिलाफ हैं। सेकुलरिज्म हम सबको बराबरी का दर्जा देता है। सोशलिज्म में आर्थिक बराबरी का मौका मिलता है।

भाजपा के लोग पूंजीवादी लोग हैं। ये बड़े-बड़े पूंजीपतियों के साथ खड़े हैं। भाजपा के लोग बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर और उनके संविधान के पक्ष में नहीं हैं। संविधान विरोधी लोग हैं। कट्टरवादी और नफरत फैलाने वाले लोग हैं। समाज को बांटते है। भाजपा के लोग पीडीए के खिलाफ बोल रहे हैं क्योंकि पीडीए उन्हें परेशान किए हुए है। भाजपा घोर जातिवादी पार्टी है। समाजवादी लोग पीडीएवादी हैं।

अखिलेश का जन्मदिन

सत्ता परिवर्तन का संकल्प

बुलेटिन ब्यूरो

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव का 52वां जन्मदिन 1 जुलाई को देश-प्रदेश में हर्ष व उल्लास के साथ मनाते हुए समाजवादी साथियों, पीडीए समाज और आमजन ने 2027 में सत्ता परिवर्तन का संकल्प लिया। यूपी के सभी जिलों में पार्टी नेताओं-कार्यकर्ताओं ने श्री अखिलेश यादव के जन्मदिन पर कार्यक्रम आयोजित कर 2027 में उन्हें मुख्यमंत्री बनाने का संकल्प लिया।

उत्तर प्रदेश के सभी जिलों में समाजवादी पार्टी कार्यकर्ताओं ने मिठाइयां बांटीं, अस्पतालों में फल वितरित किए गए। समाज के हर तबके ने श्री अखिलेश यादव

को अलग-अलग माध्यमों से जन्मदिन की बधाई और शुभकामनाएं दीं।

समाजवादी पार्टी राज्य मुख्यालय, लखनऊ में सुबह से ही श्री अखिलेश यादव को जन्मदिन की बधाई और शुभकामनाएं देने के लिए हजारों कार्यकर्ताओं की भीड़ उमड़ पड़ी। बड़ी संख्या में आए नेताओं, सांसदों, विधायकों, कार्यकर्ताओं और समाज सभी वर्ग के लोगों, महिलाओं बच्चों, युवाओं, अधिकारियों, व्यापारियों, अधिवक्ताओं, पत्रकारों, पूर्व सैनिकों, संतों-महात्माओं और उलेमाओं ने श्री अखिलेश यादव को जन्मदिन की बधाई दी। पार्टी मुख्यालय पर पहुंचे लोगों ने कहा कि 2027 के विधानसभा चुनाव में उत्तर प्रदेश में सत्ता परिवर्तन होना तय है। परिवर्तन होने पर श्री अखिलेश यादव के नेतृत्व में समाजवादी पार्टी की सरकार बनेगी और प्रदेश खुशहाली और प्रगति के रास्ते पर चलेगा।

समाजवादी पार्टी मुख्यालय पर कार्यकर्ताओं ने ढोल नगाड़े की धुन पर खुशियां मनाईं। समाजवादी पार्टी कार्यालय के बाहर भंडारे का आयोजन किया। केक काटे गए, फल, मिष्ठान का वितरण हुआ।

जन्मदिन के अवसर पर बधाई देने आए समर्थकों, शुभचिंतकों द्वाराप्रदर्शित प्रेम और सम्मान के लिए श्री अखिलेश यादव ने सभी का आभार व्यक्त किया। उन्होंने सभी से नेताजी मुलायम सिंह यादव के स्मारक निर्माण में सहयोग का आह्वान किया।

कार्यकर्ताओं से मुखातिब होते हुए श्री यादव ने कहा भाजपा की नफरती राजनीति को रोकने का काम समाजवादी पार्टी ने लोकसभा चुनाव में किया है। समाजवादी पार्टी ने देश की तीसरी सबसे बड़ी पार्टी बनकर नेताजी का सपना पूरा किया है। मौजूद लोगों ने संविधान और लोकतंत्र की रक्षा के साथ-साथ सामाजिक न्याय की स्थापना के लिए पीडीए एकता से समाजवादी पार्टी की सरकार बनाने का संकल्प लिया।

श्री अखिलेश यादव ने डॉ. राममनोहर लोहिया सभागार में पूर्व विधायक संतोष पाण्डेय द्वारा लाए गए 52 किलो का लड्डू का केक काटा। समाजवादी पार्टी के प्रदेश कार्यालय के बाहर नगर निगम पार्षद दल के उपनेता देवेन्द्र सिंह जीतू तथा वरिष्ठ नेता श्री नवीन धवन बंटी और श्री मंजीत सिंह तथा धीरज यादव, विजय सिंह यादव एवं ममता यादव, सुशील दीक्षित द्वारा आयोजित भंडारे और लड्डू वितरण का उद्घाटन राष्ट्रीय सचिव राजेन्द्र चौधरी और प्रदेश अध्यक्ष श्याम लाल पाल ने किया। भंडारा एवं सुंदरकांड का पाठ भी किया गया। अपर्णा जैन ने लकी ड्रा के माध्यम से तीन प्रतियोगियों को स्कूटी, और दस को सिलाई मशीने दी। प्रदेश कार्यालय के बाहर चौरसिया समाज के प्रतिनिधियों ने सभी को पीडीए पान खिलाकर जन्मदिन हर्षोल्लास के साथ मनाया।

पूर्व विधायक अंब्रीश पुष्कर एवं हाजी इशहाक सिद्दीकी ने मोहनलालगंज में 52 पौधों का रोपण किया। श्री अंशुमान कुमार सिंह बांसगांव ने श्री अखिलेश यादव को चांदी सेट पर विराजमान ठाकुर जी भेंट की। लेखक मयंक कुमार ने पुस्तक भेंट की। इस अवसर पर कार्यकर्ताओं ने श्रद्धेय नेताजी मुलायम सिंह स्मारक के लिए उत्साह के साथ भरपूर सहयोग किया। लखनऊ में सिख समाज की ओर से श्री अखिलेश यादव को सरोपा और तलवार भेंट की गई। हनुमान गढ़ी अयोध्या के मणिराम दास ने अखिलेश जी को आशीर्वाद दिया। पूर्व महानगर अध्यक्ष मुकेश शुक्ला ने डालीगंज स्थित महावीर मंदिर में पूजा की। केक काटा। पिछड़ा वर्ग के प्रदेश अध्यक्ष डॉ राजपाल कश्यप ने श्री अखिलेश यादव को पारिजात का पौधा भेंट किया। पूर्व प्रत्याशी मलिहाबाद सोनू कनौजिया ने आगरा-लखनऊ एक्सप्रेस-वे के पास अपने साथियों के साथ केक काटकर जन्मदिन मनाया।

प्रवक्ता फखरूल हसन चांद द्वारा गोमतीनगर लखनऊ में शीरोज कैफ़े में एसिड अटैक पीड़ित बहनों के साथ श्री

अखिलेश यादव का जन्मदिन मनाया गया। बलरामपुर हॉस्पिटल मे मरीज़ो के ज़रूरत का सामान व्हील चेयर बीपी मशीने ऑक्सीमीटर आदि सामान दिया गया। लखनऊ क्रिस्चियन कॉलेज परिसर मे पौधे लगाए गए। शुभांगी द्विवेदी एडवोकेट ने कैसरबाग कचहरी लखनऊ में पौधारोपण किया और केक काट कर अभिनंदन किया।

समाजवादी शिक्षक सभा की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की ओर से जन्म दिवस पर लखनऊ के गोमतीनगर स्थित मलिन बस्ती में बच्चों को कापी-पेन-बैग वितरित किया गया। समाजवादी महिला सभा की राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष वन्दना चतुर्वेदी द्वारा श्री अखिलेश यादव जी के जन्मदिन पर 171-पश्चिमी विधानसभा लखनऊ के पारा पुलिस चौकी के पास सैकड़ों गरीब मजदूरों में जरूरी दवाइयों का वितरण किया गया। पारा नरपत खेड़ा में विभिन्न प्रकार के 11 पौधों का रोपण तथा मॉर्डन हॉस्पिटल, पूर्वीदीन खेड़ा में मरीजों को फलों का वितरण किया गया।

समाजवादी पिछड़ा वर्ग प्रकोष्ठ के प्रदेश सचिव एवं अधिवक्ता आनन्द चौरसिया ने चौरसिया समाज की ओर से समाजवादी पार्टी के कार्यालय लखनऊ के गेट पर आम जनता को पान खिलाया। आईटी कॉलेज चौराहा पर लखनऊ विश्वविद्यालय के छात्र नेता अतुल कुमार शुक्ला ने केक काटकर रिक्शा चालकों के बीच मिठाई बांटी। महराजगंज के घुघली ब्लाक में अमरजीत यादव ने केक काटकर जन्मदिन मनाया।

मुलायम यूथ ब्रिगेड के राष्ट्रीय सचिव अरशद दद्दा ने छाता एवं राहत सामग्री बांटी। श्री श्रवणजीत कनौजिया मिल्कीपुर ने पारिजात का पौधा राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव को भेंट किया। प्रयागराज में फाफामऊ विधानसभा क्षेत्र में शान्तिपुरम लेबर में संदीप यादव पूर्व प्रमुख सोराव के नेतृत्व में पीडीए समाज के दिहाड़ी मज़दूरों ने केक काटा। पूर्व प्रमुख ने सभी मज़दूर साथियों में समाजवादी टी-शर्ट और हलवा वितरित किया। आलापुर में विश्वनाथ यादव ने साथियों के साथ पौधा लगाकर जन्मदिन मनाया। सिद्धार्थनगर में शोहरतगढ़ विधानसभा क्षेत्र के सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में समाजवादी पार्टी के नेता उग्रसेन सिंह ने मरीजों के बीच फल बांटे, वृक्षारोपण किया।

गोवर्धन विधानसभा मथुरा में वीरेन्द्र यादव, प्रदीप चौधरी, कृष्ण मुरारी मैथिली द्वारा वृद्धाश्रम में 251 वृद्ध माताओं के साथ संकीर्तन, भोजन वितरण किया गया।

उत्तराखंड समाजवादी पार्टी के प्रदेश कार्यालय देहरादून में केक काटकर समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव का जन्मदिन मनाया गया। हल्द्वानी में श्री अब्दुल मतीन सिद्दीकी ने श्री

पैदल यात्रियों का
अखिलेश ने हौसला बढ़ाया

बुलेटिन ब्यूरो

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव के जन्मदिन पर लखीमपुर खीरी जनपद के विधानसभा धौरहरा क्षेत्र के लुधौनी से लखनऊ तक पदयात्रा कर आए लोगों ने 2 जुलाई को समाजवादी पार्टी के मुख्यालय लखनऊ में श्री अखिलेश यादव से मुलाकात की। श्री यादव ने पैदल चलकर आए कार्यकर्ताओं की हौसला अफजाई की।

पदयात्रा के संयोजक आदर्श यादव व शुभम यादव थे। पदयात्रा में सर्वश्री रितिक यादव, सत्येन्द्र यादव, अर्नव यादव, श्री राम भार्गव, रिषभ यादव, निशांत यादव, कमल भार्गव, सचिन यादव, सौरभ यादव, कौशल भार्गव, अजीत यादव, दयाशंकर यादव, सूरज यादव संदीप राजपूत, शिवशंकर यादव आदि शामिल रहे।

अखिलेश यादव का जन्मदिन मनाया। इस अवसर पर समाजवादी चिंतक एवं सर्वोदय मंडल के अध्यक्ष डॉ. विजय शंकर शुक्ला को पुष्पगुच्छ तथा शाल भेट कर सम्मानित किया गया। सभी ने राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव जी के दीर्घायु होने की कामना की तथा राजनीति में उनके निर्णयों को सराहा गया।

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव ने 2 जुलाई को भी बधाई देने पहुंचे कार्यकर्ताओं-नेताओं से भेंट की। उनकी शुभकामनाएं लीं और उनके स्नेह, सम्मान के प्रति आभार जताया। इस अवसर श्री अखिलेश यादव ने कहा कि कल भी बहुत बड़ी संख्या में लोगों ने बधाई और आशीर्वाद देने के साथ सहयोग दिया। कर्नाटक सपा के प्रदेश अध्यक्ष एन मनजप्पा के नेतृत्व में आए प्रतिनिधिमंडल ने श्री अखिलेश यादव से मुलाकात कर बधाई दी।

श्री अखिलेश यादव के जन्मदिवस की पूर्व संध्या पर 30 जून को कुशवाहा, मौर्य, शाक्य, सैनी समाज के नेताओं और युवाओं ने किंग जॉर्ज मेडिकल यूनिवर्सिटी लखनऊ में रक्तदान शिविर का आयोजन किया और श्री यादव के जन्मदिन को लोक कल्याण के रूप में मनाया। रक्तदान शिविर का शुभारम्भ श्री अखिलेश यादव ने किया। कार्यक्रम में डॉ. तुलिका चंद्रा, डॉ. वेद प्रकाश समेत दर्जनों डॉक्टर शामिल रहे। रक्तदान शिविर में 107 लोगों ने रक्तदान किया।

श्री अखिलेश यादव के जन्मदिवस की पूर्व संध्या पर उत्तरी विधानसभा क्षेत्र लखनऊ की पूर्व प्रत्याशी सुश्री पूजा शुक्ला की ओर से गरीब महिलाओं को 52 साइकिलें बांटी गई।

प्रयागराज की सोरांव विधान सभा के ग्रामसभा माधोपुर, बंतरिया, कमलानगर में सैकड़ों ग्रामीणों की चौपाल में सोराव के पूर्व विधायक श्री सत्यवीर मुन्ना ने केक काटकर अखिलेश जी के शतायु एवं चिरंजीवी होने की ईश्वर से कामना की।

इटावा में प्रदेश सचिव केपी सिंह शाक्य के नेतृत्व में सपा कार्यकर्ताओं ने पौधा रोपण किया और लोगों में साइकिल भेंट की। सपा मुखिया के जन्मदिन के अवसर पर समाजवादी पार्टी झांसी के कार्यालय स्थल पर पूर्व जिलाध्यक्ष सन्त सिंह सेरसा ने पौधारोपण किया।

व्यापारियों के उत्पीड़न की नींव पर बन रहा विरासत गलियारा

बुलेटिन ब्यूरो

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के गृह जनपद गोरखपुर में विरासत गलियारा के नाम पर दुकानें, घर तोड़ दिए गए हैं और मुआवजा देने के नाम पर उनका उत्पीड़न हो रहा है। उन दुकानदारों की रोजी रोटी छिन गई है और उन्हें मुआवजा भी नहीं मिलेगा जो किराये की दुकान चलाते थे। सैकड़ों साल से उनकी दुकानें थीं और उसी से परिवार का जीवकोपार्जन होता था मगर अब मुआवजा दुकान मालिक को मिलेगा।

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश ने गोरखपुर के व्यापारियों का साथ देने का भरोसा दिया है। व्यापारियों ने उत्पीड़न की बात श्री अखिलेश यादव तक पहुंचाई तो उन्होंने नेता विरोधी दल विधानसभा माता प्रसाद पाण्डेय व विधान परिषद में नेता प्रतिपक्ष लाल बिहारी यादव के नेतृत्व में 25 जून को एक प्रतिनिधिमंडल गोरखपुर भेजा।

गोरखपुर शहर में घुसते ही भाजपा कार्यकर्ताओं ने बुलडोजर लगाकर सपा नेताओं का रास्ता रोक लिया। भाजपा विधायक के नेतृत्व में उनपर अंडे फेंके गए और वाहनों के शीशे तोड़ दिए गए। पुलिस भी मूकदर्शक बनी रही। बाद में सपा नेताओं के अड़ जाने पर प्रतिनिधिमंडल को व्यापारियों से मिलने दिया गया।

सपा प्रतिनिधिमंडल पर हमले की सूचना पर राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव ने कहा कि हमले के आरोपियों के विरुद्ध पक्षपातहीन कठोर दंडात्मक कार्रवाई हो अन्यथा ये माना जाएगा कि ये 'हाता नहीं भाता और पीडीए नहीं लुभाता" का एक ऐसा प्रकरण है जिसके पीछे सोची-समझी साज़िश रची गयी थी।

बाद में श्री अखिलेश यादव ने गोरखपुर गए नेताओं के साथ 28 जून को लखनऊ में पत्रकारों से बातचीत करते हुए कहा कि भाजपा सरकार में पूरे प्रदेश में जमीनों का गोरखधंधा चल रहा है। जहां भी जमीन दिख जाती है भाजपा उसे हड़पने और कब्जा करने के लिए सक्रिय हो जाती है।

भाजपा सरकार में गोरखपुर में विरासत गलियारा के नाम पर व्यापारियों के मकान और दुकान ढहा कर जमीन लूटी जा रही है। व्यापारियों का उत्पीड़न हो रहा है। भाजपा सरकार लोकतंत्र और संविधान विरोधी है। दोनों सदनों के विपक्ष के नेताओं को रोका जाना, उन पर हमला होना निन्दनीय है। उन्होंने गोरखपुर के व्यापारियों को भरोसा दिया कि समाजवादी पार्टी की सरकार आने पर फर्जी विरासत का गलियारा नहीं बल्कि विकास का गलियारा बनाएंगे।

श्री अखिलेश यादव ने कहा कि गोरखपुर में सत्ता के संरक्षण में जमीनों का गोरखधंधा चल रहा है। सच्चाई यह है कि कारीडोर के नाम पर भाजपाई लूटतंत्र सक्रिय है जो तरह-तरह के बहाने करके लोगों की जमीन औने-पौने दाम पर खरीद लेते हैं और बाद में ऊंचे दाम पर बेच देते हैं।

स्थानीय जनता के साथ धोखा हो रहा है।

गोरखपुर के व्यापारियों के साथ अन्याय कर रही सरकार -डिंपल

बुलेटिन ब्यूरो

मैनपुरी की सांसद श्रीमती डिंपल यादव ने कहा है कि भाजपा सरकार के कामकाज से सभी निराश, हताश हैं। भाजपा ने किसानों, नौजवानों, महिलाओं से जो भी वायदे किए थे, उन्हें पूरा नहीं किया। उत्तर प्रदेश में कानून व्यवस्था ध्वस्त है। बेरोजगारी बढ़ती जा रही है। मंहगाई पर कोई नियंत्रण नहीं है। महिलाओं को रोज अपमानित और प्रताड़ित होना पड़ रहा है।

उन्होंने कहा कि गोरखपुर में विरासत गलियारा के नाम पर व्यापारियों का उत्पीड़न किया जा रहा है और उनकी पीड़ा सुनने जा रहे समाजवादी पार्टी के नेताओं पर हमला निंदनीय है। नेता विरोधी दल विधानसभा व विधान परिषद को रोकना संवैधानिक अधिकारों का हनन है।

उन्होंने कहा कि विरासत गलियारा में उजाड़े गए व्यापारियों का दुःख दर्द जानने के लिए जा रहे नेता विरोधी दल विधानसभा श्री माता प्रसाद पाण्डेय और नेता प्रतिपक्ष विधान परिषद श्री लाल बिहारी यादव को प्रशासन ने रास्ते में रोक दिया। वे व्यापारियों से न मिल पाए इसलिए बुलडोजर के साथ भाजपाइयों ने घेराव किया। यह उनके संवैधानिक अधिकारों का हनन है।

3 जुलाई को सांसद श्रीमती डिंपल यादव के गोरखपुर पहुंचने पर जिलाध्यक्ष बृजेश कुमार गौतम के आवास लोहिया एनक्लेव फेज-1 पर पार्टी के कार्यकर्ताओं, नेताओं द्वारा भव्य स्वागत किया गया। सांसद डिंपल यादव ने गोरखपुर कूड़ाघाट (गिरधारगंज) निवासी श्री गौरव प्रकाश की माता स्वर्गीय श्रीमती मीना यादव पूर्व जिलाध्यक्ष महिला सभा गोरखपुर के तेरही में पहुंचकर श्रद्धा सुमन अर्पित कर शोक संवेदना व्यक्त की और परिवार और वहां पर मौजूद पार्टी के नेताओं से भी मुलाकात की।

जिला कोषाध्यक्ष श्री आशुतोष गुप्ता के आवास बेतियाहाता पहुंचकर पार्टी के पूर्व जिला कोषाध्यक्ष स्वर्गीय सत्येंद्र नाथ गुप्ता की पत्नी एवं परिवार के सदस्यों से मुलाकात की।

इस अवसर पर महानगर अध्यक्ष शब्बीर कुरैशी, पूर्व विधायक विजय बहादुर यादव, वरिष्ठ नेता जफर अमीन साहब, वरिष्ठ नेता सुनील सिंह समेत बड़ी संख्या में नेता एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे।

यही वजह है कि भाजपा अयोध्या और प्रयागराज में हारी है। वाराणसी में हारते-हारते बची है। अगला नंबर गोरखपुर और मथुरा का है।

श्री अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा सरकार विकास के लिए कोई काम नहीं कर रही है। मुख्यमंत्री जी ने अपने गृह जनपद जाने का रिकार्ड बनाया है। इतना कोई मुख्यमंत्री अपने गृह जनपद नहीं गया होगा। वहां जनता दरबार लगता है लेकिन उसके बावजूद वहां अन्याय, अत्याचार चरम पर है।

श्री यादव ने कहा कि समाजवादी सरकार में विकास योजनाओं के लिए जितनी जमीनें ली गईं उसमें किसानों, मकान मालिकों को जमीनों का बाजार मूल्य के अनुसार सर्किल रेट बढ़ाकर मुआवजा दिया गया था। गोरखपुर में आज भी जो बड़े कारखाने चल रहे हैं। वह समाजवादी सरकार में बनाये गये थे।

इस अवसर पर नेता विरोधी दल श्री माता प्रसाद पाण्डेय, सर्वश्री लाल बिहारी यादव नेता प्रतिपक्ष विधान परिषद, गणेश शंकर पाण्डेय पूर्व सभापति विधानसभा, समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय सचिव एवं पूर्व कैबिनेट मंत्री राजेन्द्र चौधरी, डॉ. मोहसिन खान पूर्व मंत्री, राजमती निषाद पूर्व विधायक, विजय बहादुर यादव पूर्व विधायक, राहुल गुप्ता पूर्व मेयर प्रत्याशी, प्रहलाद यादव पूर्व जिलाध्यक्ष, अवधेश यादव पूर्व जिलाध्यक्ष, चंद्रबली यादव पूर्व जिलाध्यक्ष, गोपाल यादव पूर्व जिलाध्यक्ष, अमरेन्द्र निषाद पूर्व प्रत्याशी, रूपावती बेलदार पूर्व प्रत्याशी, रजनीश यादव पूर्व जिलाध्यक्ष, जगदीश यादव पूर्व मंत्री दर्जा प्राप्त, जफर अमीन डक्कू पूर्व चेयरमैन, ब्रजेश कुमार गौतम जिलाध्यक्ष, शब्बीर कुरैशी महानगर अध्यक्ष, रामनाथ यादव, सुनील सिंह, राहुल यादव, डॉ. संजय कुमार, ब्रजनाथ मौर्या, श्रीमती बिन्दा सैनी, सुशीला भारती, उर्मिला देवी, नमिता सिंह, आनन्द राय, असोम चौहान, अंशुमान सिंह आदि शामिल रहे।

संवाद से अखिलेश साध रहे 2027 का लक्ष्य

बुलेटिन ब्यूरो

आगामी 2027 के विधानसभा चुनावों को लेकर समाजवादी पार्टी ने बूथ स्तर तक कमर कस ली है। श्री अखिलेश यादव के नेतृत्व में समाजवादी सरकार बनाने के लिए मिल रहे अपार जनसमर्थन से कार्यकर्ता भी उत्साहित है और बूथ स्तर पर तैयारियों में जीजान से जुटा है।

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव भी कार्यकर्ताओं से लगातार संवाद कर रहे हैं। कार्यकर्ताओं से सीधे संवाद के जरिये उनसे हरेक विधानसभा क्षेत्र के बूथों के प्रबंधन पर बात हो रही है। फीडबैक लिया जा रहा है और राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव कार्यकर्ताओं को बता रहे हैं कि उन्हें किस तरह बूथ प्रबंधन करना है। वोटरलिस्ट को लेकर क्या-क्या करना है और कहां सावधान रहना है।

राष्ट्रीय अध्यक्ष, कार्यकर्ताओं को भाजपा की साजिशों को बताकर सतर्क रहने के लिए भी आगाह कर रहे हैं। कार्यकर्ताओं से नियमित संवाद के बाद जो जोश आ रहा है, वह स्पष्ट संकेत है कि संवाद के जरिये 2027 के लक्ष्य को समाजवादी भेद देंगे और जनता की सरकार बनाएंगे।

समाजवादी पार्टी के राज्य मुख्यालय पर 19 जून को जिलों के कार्यकर्ताओं के साथ बैठक करते हुए श्री अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा सरकार ने प्रदेश की कानून व्यवस्था, शिक्षा, स्वास्थ्य व्यवस्था और बिजली व्यवस्था को बर्बाद कर दिया है। इस सरकार

में कमीशनखोरी और भ्रष्टाचार चरम पर हैं। भाजपा-आरएसएस विपक्ष में रहने के दौरान स्वदेशी का नारा देते थे। बड़े-बड़े दावे करते थे। इन लोगों ने सत्ता में आने पर ऐसी नीतियां बना दी है कि पूरा देश विदेशी सामानों से भरा पड़ा है।

श्री यादव ने कहा कि समाजवादी सरकार में उत्तर प्रदेश में विकास के लिए बहुत काम हुए थे। हर जिले में विकास के काम दिखाई दे रहे थे। समाजवादी सरकार ने पांच साल के शासन काल में उत्तर प्रदेश में विकास की झड़ी लगा दी थी। उत्तर प्रदेश देश के अग्रणी राज्यों में शामिल हो गया था। उत्तर प्रदेश विकास के हर मानक में आगे नज़र आने लगा था लेकिन भाजपा के सत्ता में आते ही सारे विकास कार्य थम गये।

भाजपा सरकार ने प्रदेश को हर क्षेत्र में बर्बाद कर दिया। भ्रष्टाचार का ऐसा नंगा नाच पहले कभी नहीं हुआ था। पूरे प्रदेश में अराजकता व्याप्त है। कानून व्यवस्था और अपराध पर सरकार का जीरो टॉलरेंस का दावा जीरो हो चुका है। श्री यादव ने कहा कि इस जनविरोधी सरकार को हटाना ही प्रदेश के हित में है। प्रदेश की जनता 2027 के विधानसभा चुनाव में भाजपा को सत्ता से हटा कर प्रदेश को उसके कुशासन से मुक्त करने का काम करेगी।

2 3 जून को विभिन्न जिलों से आए कार्यकर्ताओं से संवाद करते हुए श्री अखिलेश यादव ने कहा कि 2027 का विधानसभा चुनाव देश की राजनीति को बदलने वाला साबित होगा। चुनावों में भाजपा की धांधली रोकना होगा। भाजपा की साजिशों से सावधान रहना होगा। समाजवादी पार्टी के सभी कार्यकर्ता एकजुट होकर बूथ स्तर तक पार्टी संगठन को मजबूत बनाकर भाजपा का सफाया करना होगा। श्री अखिलेश यादव ने कार्यकर्ताओं से संवाद से पूर्व स्टैंडअप कॉमेडियन राजीव निगम की "बहुत हुआ सम्मान" कामेडी को सराहा।

कार्यकर्ताओं से मुखातिब होते हुए श्री अखिलेश यादव ने कहा कि समाजवादी पार्टी पीडीए की रणनीति से भाजपा को हराने का काम करेगी। भाजपा षडयंत्रकारी पार्टी है। समाजवादी पार्टी के नेता और कार्यकर्ता सावधानी के साथ बूथ को मजबूत करने और वोटर लिस्ट को ठीक कराने का काम करें। वोटर लिस्ट में नए वोटरों और छूटे वोटरों का नाम जुड़वाना है। जनता के बीच पहुंचकर भाजपा की साजिश और षड़यंत्र का पर्दाफाश करना है।

श्री अखिलेश यादव ने कहा कि जनता ने लोकसभा चुनाव में भाजपा को सबक सिखाया है। अयोध्या में जनता ने भाजपा को हराकर उसकी सांप्रदायिक राजनीति का अंत कर दिया है। 2027 के विधानसभा चुनाव में जनता भाजपा का सफाया करने जा रही है।

27 जून को राज्य मुख्यालय पर बड़ी संख्या में यूपी के जिलों से आए कार्यकर्ताओं से संवाद करते हुए समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा सरकार की बुनियादी मुद्दों के समाधान में कोई दिलचस्पी नही है। भाजपा राज में महंगाई और भ्रष्ट्राचार चरम पर है। नौजवानों का भविष्य अंधेरे में है। महिलाएं

बंद हो रहे स्कूलों के गांवों में स्वतंत्रता दिवस मनाएंगे

बुलेटिन ब्यूरो

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव ने ऐलान किया है कि भाजपा सरकार की शिक्षा विरोधी नीति के खिलाफ 15 अगस्त 2025 को स्वतंत्रता दिवस पर समाजवादी पार्टी के विधायक, नेता और पदाधिकारी ऐसे गांवों में जाकर स्वतंत्रता दिवस मनाएंगे जहां कम विद्यार्थियों के होने का हवाला देकर स्कूलों को बंद किया जा रहा है।

यह घोषणा श्री यादव ने 6 जुलाई को बैठक में की। उन्होंने बताया कि भाजपा सरकार उत्तर प्रदेश में लगभग पांच हजार प्राइमरी स्कूलों को बंद करने जा रही है जोकि उसकी शिक्षा विरोधी नीति का हिस्सा है।

श्री यादव ने कहा कि स्कूल बंद करने के निर्णय से गांवों के बच्चों को शिक्षा से वंचित होना पड़ेगा। दरअसल भाजपा नहीं चाहती है कि बच्चे पढ़ें। यह सरकार शिक्षा की घोर विरोधी है और पूंजीपतियों को मुनाफा पहुंचाने के लिए इस तरह के अनापशनाप कदम उठा रही है। बेरोजगारों को नौकरी देने में नाकाम भाजपा से ऐसी ही उम्मीद हो सकती है। उन्होंने कहा कि शिक्षा, नौकरी, नौजवान विरोधी सरकार के दिन लद गए हैं और वह 2027 में सत्ता से बेदखल कर दी जाएगी।

एवं बच्चियां असुरक्षित हैं। भाजपा राज में हर तरफ अराजकता और अमानवीयता का जोर है।

श्री अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा सरकार में बिजली संकट का कोई समाधान नहीं है। अपनी कमियां छुपाने के लिए निजीकरण किया जा रहा है। यह संविधान प्रदत्त आरक्षण से भी बचने की साजिश है। अब जनता में भाजपा को और समय न देने का मन बना लिया है। 2027 में उत्तर प्रदेश से भाजपा की विदाई तय है।

6 जुलाई को विभिन्न जिलों से आए नेताओं, कार्यकर्ताओं से संवाद करते हुए श्री अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा का एजेंडा सामाजिक न्याय के विरुद्ध है। समाजवादी पार्टी सामाजिक न्याय के राज्य की स्थापना करने को संकल्पित है। जातीय जनगणना से सभी को समानुपातिक भागीदारी मिलनी है। भाजपा सरकार विपक्ष के बहुत दबाव के बाद इस पर आधे-अधूरे मन से राजी हुई है। भाजपा गरीब, पिछड़ों, दलितों, अल्पसंख्यकों का उनके हक नहीं देना चाहती।

श्री यादव ने कहा कि भाजपा अपनी तिकड़म से चुनाव जीतती है। बिहार में चुनाव आयोग मतदाताओं की मनमानी छंटनी की तैयारी में है। वहां बहुत विरोध हो रहा है। कल उत्तर प्रदेश की बारी आएगी। इसलिए समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ताओं को वोट बढ़ाने और अवांछित मतदाताओं के नाम हटवाने पर निगाह रखनी होगी। जनता समाजवादी पार्टी के साथ है।

शुभांशु पर गर्व -अखिलेश

बुलेटिन ब्यूरो

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव ने 29 जून को मैनपुरी की सांसद श्रीमती डिंपल यादव, पूर्व मंत्री राजेन्द्र चौधरी व अर्जुन यादव के साथ अंतरिक्ष यात्री ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला के त्रिवेणी नगर, लखनऊ स्थित आवास पर जाकर उनके परिवार से भेंट की।

परिवारीजनों से मुलाकात करते हुए श्री अखिलेश यादव ने कहा कि हम सबको ग्रुप कैप्टन शुभांशु पर गर्व है। उनसे लाखों नौजवान प्रेरणा लेंगे। उन्होंने परिवार को बताया कि समाजवादी सरकार बनने पर गोमती रिवरफ्रंट पर प्रेरणा स्थल और म्यूजियम की स्थापना की जाएगी ताकि शुभांशु शुक्ला के योगदान और अनुसंधान से युवाओं की नई पीढ़ी को प्रेरणा मिल सके। उन्होंने श्री शुभांशु के परिवारीजनों को बधाई देते हुए शुभांशु की यात्रा की सफलता की कामना की।

मुलाकात के समय श्री शुभांशु शुक्ल के पिता श्री शंभु दयाल शुक्ल, माता श्रीमती आशा शुक्ला तथा बहन शुचि मिश्रा मौजूद रहीं। अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ल के परिवार से भेंट के दौरान सर्वश्री अरुण शंकर शुक्ल उर्फ अन्ना महाराज पूर्व विधायक, महानगर अध्यक्ष फाकिर सिद्दीकी, उत्तरी विधानसभा क्षेत्र की पूर्व प्रत्याशी पूजा शुक्ला, पूर्व महानगर अध्यक्ष मुकेश शुक्ला तथा प्रवक्ता दीपक रंजन भी मौजूद रहे।

अखिलेश ने सुनी कथावाचकों की व्यथा

बुलेटिन ब्यूरो

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव ने इटावा में वर्चस्ववादियों द्वारा अपमानित किए गए कथावाचकों को 24 जून को लखनऊ में सपा के प्रदेश कार्यालय पर बुलाकर उनकी व्यथा सुनी।

इस अवसर पर उन्होंने कहा कि इस सरकार में बैठे लोग लगातार अन्याय करा रहे हैं। प्रभुत्ववादी और वर्चस्ववादी लोग लगातार पीडीए परिवार के लोगों को डरा, धमका रहे है। अपमानित कर रहे हैं।

कुछ गिनती के प्रभुत्ववादी और वर्चस्ववादी लोगों ने तो उस कलाकार को भी नहीं छोड़ा जो अपनी थाप से दुनिया देखता है। उसकी ढोलक छीनकर और उस पर आरोप लगाकर ऐसे नकारात्मक लोगों ने अपने ही समाज की सहानुभूति खो दी है।

उन्होंने कहा कि सोचने का सवाल यह है कि भागवत कथा सबके लिए है। जब सब सुन सकते हैं तो सब बोल क्यों नहीं सकते हैं। भागवत कथा तो भगवान श्री कृष्ण से जुड़ी है। अगर सच्चे कृष्ण भक्तों को ही भागवत कथा कहने से रोका जाएगा तो कोई यह अपमान क्यों सहेगा।

श्री अखिलेश यादव ने कहा कि वर्चस्ववादी और प्रभुत्ववादी लोग कथा वाचन में अपना एकाधिकार बनाए रखना चाहते हैं। कथा वाचन को जिन्होंने भावना की जगह व्यवसाय बना लिया उन्हीं प्रभुत्ववादियों और वर्चस्ववादी लोगों के कारण इटावा में कथा वाचन का अपमान काण्ड हुआ है।

उन्होंने कहा कि अगर पीडीए समाज से इतना ही परहेज है तो वर्चस्ववादी लोग घोषित कर दें कि पीडीए परिवार द्वारा दिया गया चढ़ावा, चंदा, दान, दक्षिणा कभी स्वीकार नहीं करेंगे। अगर एकाधिकार स्थापित करना है तो जिस तरह से दावा करते हैं कि धारा 370 खत्म किया, उसी तरह से

देश में कानून लेकर आएं कि कथा वाचन का काम वर्चस्ववादी ही कर सकते हैं और कोई नहीं कर सकता है। अगर भाजपा को लगता है कि कथा करने पर एक वर्ग का अधिकार है तो वह उसके लिए कानून बना दे। जिस दिन पीडीए समाज ने अपनी कथा कहनी शुरू कर दी उस दिन परम्परावादी शक्तियों का साम्राज्य ढह जाएगा।

श्री अखिलेश यादव ने कहा कि कथावाचकों पर हमला कर वर्चस्ववादी लोग अब तो सीमा लांघ गए हैं। सरकार के संरक्षण की वजह से पीडीए के लोगों का सिर मुड़वा रहे हैं। उन पर पेशाब करा रहे हैं और पिटाई कर रहे हैं।

इटावा में पीडीए समाज के कथा वाचकों को रातभर पीटा गया। बाल मुंड़वा दिया। हरमोनियम, पैसा, चेन सब छीन लिया गया। आखिरकार ये वर्चस्ववादी लोग इतनी ताकत कहां से पा रहे हैं?

श्री अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा राज में पीडीए समाज को हेय दृष्टि से देखा जाता है।श्री अखिलेश यादव ने कहा कि वर्चस्ववादियों को लगता है कि उनके पीछे भाजपा की सरकार खड़ी है। सरकार उन्हें बचा लेगी लेकिन अब पीडीए की एकता और एकजुटता इसका डटकर जवाब देगी।

श्री यादव ने कहा कि भाजपा सरकार में अन्याय, अत्याचार की घटनाएं कोई एक-दो नहीं अनगिनतहैं। यह स्थिति तब है जब भारत विश्व गुरू बनना चाहता है। विकसित बनने की तरफ है और दुनिया में संस्टनेबल विकास की बात हो रही है। दुनिया में तीसरी-चौथी बड़ी अर्थव्यवस्था का दावा हो रहा है।

श्री अखिलेश यादव ने कहा कि आने वाले चुनाव में पीडीए समाज भाजपा के खिलाफ वोट डालने जा रहा है। भाजपा जाएगी तभी सभी लोगों को चैन मिलेगा और सबको सम्मान मिलेगा। उन्होंने कहा कि आज संपूर्ण पीडीए समाज 'इटावा कथावाचन पीडीए अपमान कांड' के हर पीड़ित के साथ अपनी आवाज़ बुलंद कर रहा है।पीडीए प्रतिशोध की नहीं सोच के परिवर्तन की पुकार है। पीडीए ग़ैर बराबरी को दूर करके समता, समानता, गरिमा, प्रतिष्ठा को सुनिश्चित करने वाले सकारात्मक-प्रगतिशील 'सामाजिक न्याय के राज' का संकल्पित उद्घोष है।

भाजपा पीडीए समाज से डरी हुई है। तभी जब मतदान की बात आती है तो अधिकारियों की सूची बनाती है। उसमें पीडीए परिवार के लोग नहीं रहते हैं। भाजपा उन्हें अलग कर देती है। अयोध्या के मिल्कीपुर का उपचुनाव उदाहरण है, जहां वोट डालने से लेकर हर जगह पीडीए के लोगों को हटाया गया। जिनकी तैनाती हुई उनके लिए टारगेट फिक्स किया गया कि किसे कितना वोट डालना है।

इससे पहले राज्यसभा सदस्य श्री रामजी लाल सुमन ने कहा कि पिछड़ी और दलित जाति के कथा वाचकों को जानबूझकर अपमानित किया गया। उनको मारा पीटा गया। यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि अगर कोई दलित या पिछड़ी जाति का आदमी है, धार्मिक बात और भागवत कथा सीख लेता है तो उसे कैसे वंचित किया जा सकता है लेकिन पिछड़ों, दलितों के खिलाफ एक मनोवृत्ति है और इस मनोवृत्ति के पीछे भाजपा है।

दानवीर भामाशाह का व्यक्तित्व बेमिसाल व प्रेरणादायक

बुलेटिन ब्यूरो

दानवीर भामाशाह की जयंती 29 जून को समाजवादी पार्टी के राज्य मुख्यालय लखनऊ में मनाई गई। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव ने दानवीर भामाशाह के चित्र पर माल्यार्पण कर नमन किया। साथ ही समाजवादी व्यापार सभा की राष्ट्रीय एवं प्रदेश कार्यकारिणी तथा प्रमुख नेताओं की बैठक में दानवीर भामाशाह को श्रद्धापूर्वक याद किया गया।

दानवीर भामाशाह को नमन करते हुए श्री अखिलेश यादव ने कहा कि मातृभूमि के प्रति अगाध प्रेम के चलते भामाशाह ने महाराणा को सैन्य बल गठन के लिए भारी धनराशि दी थी। उनका व्यक्तित्व बेमिसाल और प्रेरणादायक है।

श्री अखिलेश यादव ने भरोसा दिलाया कि समाजवादी सरकार में व्यापारियों की सुरक्षा सुनिश्चित की जाएगी। श्री यादव ने कहा कि भाजपा सरकार में जीएसटी की छापेमारी से व्यापारी पीड़ित हैं।

श्री अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा सरकार में व्यापारी बर्बाद हो गए हैं। हर स्तर पर उनका शोषण हो रहा है। जबकि व्यापारी देश की अर्थव्यवस्था की रीढ़ हैं उनके काराबार से ही रोजगार मिलता है। उससे ही समता और सम्पन्नता आएगी। श्री अखिलेश यादव ने कहा कि समाजवादी सरकार बनने में व्यापारियों की भूमिका महत्वपूर्ण होगी। व्यापारी समाज के समर्थन से भाजपा की विदाई तय हो जाएगी। भाजपा का 2027 में हारने का रिकॉर्ड बन

समाजवादी व्यापारी सभा के प्रदेश अध्यक्ष प्रदीप जायसवाल ने कहा कि व्यापारी समाज को मान सम्मान समाजवादी पार्टी में ही मिलता है।

स्वतंत्रता आंदोलन में वीरांगना ऊदा देवी का बड़ा योगदान

1857 की क्रांति की नायिका वीरांगना ऊदा देवी पासी की जयंती 30 जून को समाजवादी पार्टी के राज्य मुख्यालय लखनऊ समेत प्रदेश के सभी जिला मुख्यालयों पर मनाई गई और वीरांगना ऊदा देवी के कृतित्व व व्यक्तित्व पर प्रकाश डालते हुए उन्हें नमन किया गया।

राज्य मुख्यालय पर समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव ने वीरांगना ऊदा देवी के चित्र पर माल्यार्पण कर नमन करते हुए कहा कि ऊदा देवी ने 36 अंग्रेज सैनिकों को मौत के घाट उतारकर पहले स्वतंत्रता आंदोलन में प्रमुख भूमिका निभाई थी।

जयंती पर बड़ी संख्या में उपस्थित पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए श्री अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा स्वतंत्रता आंदोलन के मूल्यों को नष्ट करने पर तुली है। इस अवसर पर मोहनलालगंज के टाउन एरिया नगराम में अमर शहीद वीरांगना ऊदा देवी पासी की जयंती मनाई गई। इस अवसर पर सांसद आरके चौधरी उपस्थित थे।

छत्रपति शाहूजी महाराज ने पिछड़ों-वंचितों को अधिकार दिया

छत्रपति शाहूजी महाराज की 191वीं जयन्ती 26 जून को समाजवादी पार्टी के राज्य मुख्यालय लखनऊ में मनाई गई। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव ने जयंती कार्यक्रम में छत्रपति शाहूजी महाराज के चित्र पर माल्यार्पण कर नमन किया। छत्रपति शाहूजी महाराज की जयंती के मौके पर सामाजिक न्याय के राज्य की स्थापना के लिए संकल्प लिया गया।

इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में श्री अखिलेश यादव ने कहा कि छत्रपति शाहूजी महाराज ने 26 जुलाई 1902 को कोल्हापुर राज्य में आरक्षण व्यवस्था लागू कर पिछड़े और वंचित वर्गों को अधिकार और सम्मान देने का कार्य किया। उन्ही के अनुसरण में समाजवादी पार्टी ने संविधान मान स्तंभ की स्थापना की है। उन्होंने कहा कि महात्मा बुद्ध, ज्योतिबाफुले, डा अंबेडकर, गांधी जी और डा लोहिया की एक सशक्त परंपरा है जोकि आडंबर और अंधविश्वास की विरोधी है। समाजवादी पार्टी उन्हीं के रास्ते पर चल रही है।

महाराजा दक्ष प्रजापति को जयंती पर याद किया

प्रजापति समाज के आराध्य महाराजा दक्ष प्रजापति की जयंती 10 जुलाई को समाजवादी पार्टी ने सादगी से मनाते हुए उन्हें नमन किया। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव की ओर से राष्ट्रीय सचिव राजेन्द्र चौधरी ने पार्टी के राज्य मुख्यालय लखनऊ में महाराजा दक्ष प्रजापति के चित्र पर माल्यार्पण कर नमन किया।

पौराणिक और आध्यात्मिक कथाओं के अनुसार ब्रह्मा जी के पहले मानस पुत्र दक्ष प्रजापति को प्रजापति समाज अपना पूर्वज मानता है।

उल्लेखनीय है कि समाजवादी पार्टी के संस्थापक श्री मुलायम सिंह यादव जी ने 1994 में कुम्हार जाति को प्रजापति लिखने का सम्मान दिया था। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव ने प्रजापति समाज को नाम, सम्मान व पहचान देने का काम किया है। इस अवसर पर प्रदेश अध्यक्ष श्याम लाल पाल ने कहा कि समाजवादी पार्टी सभी वर्गों के साथ प्रजापति समाज का भी सम्मान करती है। कार्यक्रम संयोजक राष्ट्रीय सचिव पूर्व दर्जा प्राप्त राज्यमंत्री श्री रमेश प्रजापति थे।

साफ़ और बेबाक 𝕏

Akhilesh Yadav
@yadavakhilesh

Socialist Leader of India. Chief Minister of UP (2012 - 2017)

Akhilesh Yadav @yadavakh... · 18h

श्रावण मास के पावन आरंभ पर हार्दिक शुभकामनाएं।

Akhilesh Yadav @yadavakhilesh

Translate post

'दो शब्दों' का तो बहाना है दरअसल भाजपा और उनके संगी साथियों का लक्ष्य तो पूरा संविधान हटाना है।

इसीलिए संविधान बचाना है तो भाजपा को ही हटाना है।

Akhilesh Yadav @yadavakhilesh

Translate post

कह रहा है आज़मगढ़
पीडीए अब आगे बढ़!

Akhilesh Yadav @yadavakhilesh

Translate post

यौम-ए-आशूरा के अवसर पर कर्बला के शहीदों को नमन।

Akhilesh Yadav @yadavakhilesh

Translate post

'रक्त दान' हर दान से महान होता है क्योंकि ये जीवनदायिनी होता है।

Akhilesh Yadav @yadavakhilesh

Translate post

इंसान के बेपनाह हौसले और हिम्मत का नाम है : **टार्ज़न**

Akhilesh Yadav @yadavakhilesh

Translate post

जन्मदिन की बधाई भेजने के लिए प्रदेश-देश-विदेश के सभी प्रियजनों, शुभचिंतकों, समस्त नेतागणों, स्नेही कार्यकर्ताओं और पीडीए महापरिवार के सभी सदस्यों को बहुत-बहुत हार्दिक धन्यवाद!

Akhilesh Yadav @yadavakhilesh

Translate post

आँखों-आँखों में गुज़र गया एक सदी का चौथा हिस्सा...

Akhilesh Yadav @yadavakhilesh

Translate post

भाजपा राज में उप्र में ये हो क्या रहा है:

- भाजपाई इंजन बनाम डिब्बा हो रहा है
- भाजपाई नेता बनाम अधिकारी हो रहा है
- अधिकारी बनाम अधिकारी हो रहा है
- सत्ता सजातीय बनाम आम समाज हो रहा है
- भाजपाई बनाम बेरोज़गार युवा हो रहा है
- भाजपाई बनाम किसान हो रहा है
- भाजपाई बनाम कारोबारी हो रहा है
- भाजपाई बनाम महिला हो रहा है

BJP विधायक ने SDM को जड़ा थप्पड़.. दीवान को भी नहीं बख्शा, सत्ता के नशे में पहुंचे थे ओवरलोड ट्रक छुड़वाने

Following

Akhilesh Yadav @yadavakhilesh
Translate post

भाजपा जाए, तो क़ानून-व्यवस्था आए!

#ज़ीरो_हुआ_ज़ीरो_टॉलरेंस

Akhilesh Yadav @yadavakhilesh
Translate post

जाँच हो कि महाकुंभ मेले 2025 में सफ़ाई का बजट किसने साफ़ कर दिया।

सच तो ये है कि महाकुंभ का कचरा निस्तारित नहीं केवल विस्थापित हुआ है।

दो इंजन कहें 'मेला ख़त्म, पैसा हजम'
आधा पैसा तुम खाओ और आधा हम

Akhilesh Yadav @yadavakhilesh
Translate post

भाजपा के बाज़ार में अब बिजली विभाग बिकेगा और जनता की जेब पर निजी कंपनियों के भारी भरकम बिल डाका डालेंगे। भाजपा राज में जेनरेशन, ट्रांसमिशन या डिस्ट्रीब्यूशन किसी में कोई तरक्की नहीं हुई है। जब जनता विरोध करती है तो भाजपाइयों को कोई जवाब देते नहीं बनता, सबकी बत्ती गुल हो जाती है।

Akhilesh Yadav @yadavakhilesh
Translate post

आस्था की शक्ति अपार है!

Akhilesh Yadav @yadavakhilesh
Translate post

दुर्भाग्यपूर्ण... और कुछ नहीं!

Akhilesh Yadav @yadavakhilesh
Translate post

है चमचम बोरी नक़ली माल
बीजेपी जैसा खाद का हाल

भाजपा राज में

Akhilesh Yadav @yadavakhilesh
Translate post

स्नेह की मधुर भेंट!

Akhilesh Yadav @yadavakhilesh

आज का स्वस्थ शावक, कल का शक्तिशाली शेर बनेगा।

HAKUNA MATATA!
Etawah Lion Safari caretakers raise 'Simba cubs' and hope

Akhilesh Yadav @yadavakhilesh
Translate post

यूपी सरकार के पूर्व मंत्री, पूर्व सांसद गोंडा निवासी राजा आनंद सिंह जी का निधन, अत्यंत दुःखद !

ईश्वर उनकी आत्मा को शांति दें।

शोक संतप्त परिजनों के प्रति गहरी संवेदनाएं।

भावभीनी श्रद्धांजलि !

पंजीकृत डाक पंजीकरण संख्या GPO/LW/NP-300/2024-2026 कुल पृष्ठ : 52 डिस्पैच तिथि : 15, 16, 17

शिक्षा ही विकास की सबसे बड़ी कसौटी होती है। भाजपा सरकार में शिक्षा और शिक्षकों की जो उपेक्षा हो रही है उसके पीछे एक गहरी साज़िश की ये आशंका बलवती हो रही है कि :

- ✧ भाजपा आनेवाली पीढ़ी से 'शिक्षा का अधिकार' छीनना चाहती है।
- ✧ जो शिक्षित होता है वह सकारात्मक भी होता है और सहनशील भी, ऐसे लोग भाजपा की नकारात्मक राजनीति को कभी भी स्वीकार नहीं करते हैं।
- ✧ शिक्षा से ही उनमें चेतना आती है और वो उत्पीड़न व शोषण के ख़िलाफ़ एकजुट हो जाते हैं।
- ✧ शिक्षा से जो आत्मविश्वास आता है वह भाजपा जैसे वर्चस्ववादी दल के विरोध का कारण बनता है, इसीलिए न होंगे स्कूल, न होगा भाजपा का विरोध।
- ✧ आज गाँवों में स्कूल बंद होंगे कल को भाजपा के संगी-साथी सेवा के नाम पर अपने स्कूल वहाँ खोलने के लिए पहुँच जाएँगे। जिससे वो अपनी दरारवादी सोच के बीज बो सकें।

भाजपा अपनी प्रभुत्ववादी सोच को बनाए रखने के लिए अशिक्षित व अवैज्ञानिक लोगों की ताली बजाती, थाली पीटती अनपढ़ों की भीड़ चाहती है। नकारात्मक सोच के लिए प्रभुत्ववादी, घोर स्वार्थी व अनपढ़ों का समर्थन चाहिए होता है। सच में शिक्षित व परमार्थ से प्रेरित एक चैतन्य व जागरूक व्यक्ति कभी भी भाजपा जैसी सोच का समर्थक नहीं हो सकता है। जितनी शिक्षा प्रसारित होगी उतनी ही भाजपाई राजनीति की जड़ कमज़ोर होगी।

सब जानते हैं कि जो चीज निगाह से दूर हो जाती है, वो दिमाग़ से भी दूर हो जाती है। जब आसपास स्कूल ही नहीं दिखेंगे तो शिक्षा की साक्षात प्रेरणा ही समाप्त हो जाएगी।

हमारा तर्क ये है कि जब 1 मतदाता के लिए बूथ बनाया जा सकता है तो 30 बच्चों के लिए स्कूल चलाया क्यों नहीं जा सकता है।

ये पीडीए के वंचित समाज को और भी वंचित करने का एक बड़ा षड्यंत्र है।

समाजवादी पार्टी
/samajwadiparty
www.samajwadiparty.in

QR कोड स्कैन करें और वाट्स-एप चैनल से जुड़ें
/Akhilesh Yadav
/Samajwadi Party